दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 06 दिसंबर-2024 | ● वर्ष : 9 अंक : 343 पेज-09 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

फडणवीस की महाराष्ट्र के सीएम के तौर पर हैट्रिक, शिंदे और अजित पवार बने डिप्टी सीएम

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। वह तीसरी बार महाराष्ट्र के उट पद की कुर्सी पर बैठेंगे। उनके साथ एनसीपी चीफ अजित पवार और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की।

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री और बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शिरकत की।

बीजेपी को मिल सकते हैं 21-22 विभाग : शपथ ग्रहण के बाद अब तीनों पार्टियों के बीच मंत्रिमंडल और विभागों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया जाएगा। बीजेपी को 21 से 22 विभाग मिलने की संभावना है। जबकि शिवसेना ने 16 सीटें मांगी हैं, लेकिन उसे 12 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं, अजित पवार को 9 से 10 विभाग मिलने की चर्चा है।

2014 में पहली बार बने थे सीएम : देवेंद्र फडणवीस 2014 में पहली बार सीएम बने थे। उन्होंने 5 साल सरकार चलाई और 2019 में बीजेपी ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। लेकिन पार्टी सरकार नहीं बना पाई। ढाई साल बाद बीजेपी ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाई और फडणवीस डिप्टी सीएम बनाए गए।

'सब मिलकर चलाएंगे सरकार' : बुधवार सुबह बीजेपी विधायक दल की बैठक में सीएम चेहरे के लिए देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लगी। उसके बाद महायुति नेताओं की बैठक हुई और फडणवीस के नाम समर्थन पत्र तैयार किया गया। शिंदे, पवार और फडणवीस राजभवन पहुंचे और राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। उसके बाद तीनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

एकनाथ शिंदे ने कहा, '2022 में इसी जगह फडणवीस ने मेरे नाम (सीएम पद के लिए) का प्रस्ताव रखा था और आज मैं भी इसी जगह फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रख रहा हूं।' फडणवीस ने कहा, 'मुख्यमंत्री का पद एक तकनीकी व्यवस्था है। हम तीनों मिलकर सरकार चलाएंगे।'

महाराष्ट्र का सियासी समीकरण : महाराष्ट्र में 288 सीटें हैं। बहुमत के लिए 145 सीटें जीतना जरूरी है। इस चुनाव में बीजेपी एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और 132 सीटें जीतीं। दूसरे नंबर पर 57 सीटों के साथ शिवसेना आई। तीसरे नंबर पर 41 सीटें जीतकर अजित पवार की एनसीपी रही। खरर को 2 और फ़खढ को एक सीट पर जीत मिली। बीजेपी ने इस बार चुनाव में 149 उम्मीदवार उतारे थे।

बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने लिया बड़ा फैसला

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप सहित चार विधायकों की बार सदस्यता रद्द

विधायक नंदकिशोर गुर्जर और अजीत पाल त्यागी का भी नाम शामिल

- बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने कहा आपने नहीं दिया था कोई जवाब इसीलिए हुआ यह फैसला

गाजियाबाद करंट क्राइम : अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जारी वकीलों के आंदोलन और प्रदर्शन की कड़ी के बाद अब कार्रवाई वाली प्रक्रिया शुरू हो गई है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने अपनी संयुक्त कमेटी और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से बातचीत करके गाजियाबाद के चार विधायकों की बार एसोसिएशन गाजियाबाद से सदस्यता रद्द कर दी है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सचिव अमित नेहरा ने पत्र जारी करते हुए कहा है कि अधिवक्ताओं के मामले में माननीय द्वारा किसी प्रकार का कोई सहयोग और समर्थन नहीं किया गया था, इसीलिए कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व साहिबाबाद से विधायक सुनील शर्मा, मुरादनगर से विधायक अजीत पाल त्यागी और उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप के साथ ही लोनी से विधायक नंदकिशोर गुर्जर के नाम पत्र जारी करते हुए उनकी सदस्यता खत्म करने की घोषणा कर दी गई है।

बार एसोसिएशन ने पत्र जारी करके यह जानकारी दी है कि जिस तरीके से बार एसोसिएशन गाजियाबाद अपने आंदोलन को बीते दिनों से धार देने का काम कर रही है, उस कड़ी में यह बड़ा फैसला माना जा रहा है।

संयुक्त कमेटी की राय के बाद लिया गया फैसला

करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद की ओर से गाजियाबाद के कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और दो विधायकों पर जिस तरीके से बार एसोसिएशन गाजियाबाद की सदस्यता खत्म करने की कार्रवाई की गई है, उस पर कई तरीके की चर्चा शुरू हो गई है। वहीं अधिकताओं ने जानकारी दी है कि लाठीचार्ज के विरोध में जो आंदोलन चल रहा है , बीते दिनों उसकी 51 सदसयोन की एक कमेटी गठित की गई थी। जिसमें बार एसोसिएशन गाजियाबाद के कई पूर्व अध्यक्ष, सचिव और अलग-अलग पदों के वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। उन्हीं से वातार्लाप एवं राय लेकर चारों माननीयों की सदस्यता बार एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा खत्म करने की घोषणा की गई है।

बार एसोसिएशन ने कहा नहीं सुन रहे थे विधायक

करंट क्राइम। बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने इस मामले में पत्र जारी करते हुए समस्त जिला अपर न्यायालय गाजियाबाद, जिलाधिकारी गाजियाबाद और माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को यह पत्र प्रेषित किया है, जिसमें जानकारी दी गई है कि कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और दो प्रमुख विधायकों की बार एसोसिएशन ने सदस्यता रद्द कर दी है। अब यह बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सदस्य नहीं रहेंगे और ना ही यह मताधिकार का प्रयोग कर पाएंगे। दअरसल अधिवक्ताओं में इस बात की नाराजगी थी कि जिस प्रकार से जिला जज के रूम में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज हुआ। उस मामले को लेकर विधायक अपना रुख साफ नहीं कर रहे थे और बार एसोसिएशन का समर्थन भी नहीं कर रहे थे। इसीलिए अधिवक्ताओं ने माननीयों के खिलाफ यह कठोर फैसला लिया है।

आज 22 जिलों के अध्यक्ष और सचिव बनाएंगे आंदोलन की रणनीति

धरना स्थल पर लगेगा पहले की तरह टेंट

जारी रहेगी वकीलों की हड़ताल या निकलेगा समाधान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शुक्रवार 6 दिसंबर को गाजियाबाद बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित 22 जिलों के बार अध्यक्ष और सचिवों की बैठक होगी। इस बैठक में वकीलों पर 29 अक्टूबर को गाजियाबाद की कोर्ट के भीतर जिला जज के रूम में हुए लाठीचार्ज के विरोध में रणनीति तय की जाएगी कि इस आंदोलन को आगे कैसे सुचारू रखना है। वहीं 22 जिलों के जो बार अध्यक्ष व सचिव आएंगे वह तय करेंगे कि जिला जज पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई है और पुलिस के दोषी अधिकारियों को कौन बचा रहा है। वकीलों से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह 10 बजे से जिला मुख्यालय के गेट के निकट बने धरना स्थल पर अधिवक्ताओं की बैठक शुरू होगी, जो दोपहर 2:00 तक चलेगी।

पश्चिम के सभी प्रमुख जिले रहेंगे अधिवक्ताओं की बैठक में शामिल

करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष दीपक शर्मा और सचिव अमित नेहरा ने जानकारी दी है कि शुक्रवार 6 दिसंबर को होने वाली बैठक में 22 जिलों के बार अध्यक्ष और सचिव शामिल होंगे। सभी आंदोलन को आगे संचालित करने की रणनीति बनाएंगे। इसमें पश्चिम उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों में शामिल गाजियाबाद के अलावा गौतम बुद्ध नगर, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, मेरठ , सहारनपुर, मुजफ्फरनगर , शामली व अमरोहा के अलावा अन्य जनपदों के भी बार और तहसीलदार संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे। बार एसोसिएशन गाजियाबाद में शुक्रवार को होने वाले प्रदर्शन और मीटिंग कार्यक्रम को लेकर तैयारी कर ली है। बताया जा रहा है कि कलेक्ट्रेट के बाहर धरना स्थल पर टेंट लगाया जाएगा।

कपिल सिब्बल के आश्वासन से बार एसोसिएशन गाजियाबाद संतुष्ट

करंट क्राइम : बीते दिनों गाजियाबाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल से मुलाकात की थी। कपिल सिब्बल ने गाजियाबाद बार एसोसिएशन के प्रकरण के मामला का संज्ञान लिया था और कहा था कि वह दिल्ली वह अन्य प्रमुख अधिकारियों से इस मामले में बातचीत करेंगे। बताया जा रहा है कि कपिल सिब्बल और गाजियाबाद के अधिवक्ताओं के बीच हुई मुलाकात काफी कारगर रही है। जल्द ही इस मामले में कपिल सिब्बल कोई रास्ता भी निकलवा सकते हैं। बताया जा रहा है कि जिस तरीके से कपिल सिब्बल के साथ गाजियाबाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता नाहर सिंह यादव की मुलाकात हुई थी ,उसकी चर्चा अब आंदोलन में अधिवक्ता भी कर रहे हैं।

पुलिस रहेगी अलर्ट पर बनाए रखेगी दूरी

करंट क्राइम : अधिवक्ताओं और जिला जज के बीच शुरू हुई लड़ाई में अब पुलिस से भी अधिवक्ताओं की नाराजगी देखने को मिल रही है। बीते दिनों जिला जज के कहने पर अधिवक्ताओं के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हुए हैं। इससे नाराज अधिवक्ताओं ने बीते दिनों कवि नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया था,गिरफ्तारी देने का भी ऐलान किया था और फिर गिरफ्तारी देने भी बड़ी संख्या में अधिवक्ता पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने मामले की जांच करने का हवाला देते अधिवक्ताओं की नाराजगी देखने को मिल रही है। बीते दिनों जिला जज के कहने पर अधिवक्ताओं के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हुए हैं। इससे नाराज अधिवक्ताओं ने बीते दिनों कवि नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया था,गिरफ्तारी देने का भी ऐलान किया था, वहां से वापस भेज अधिवक्ताओं को वहां से वापस भेज दिया कहा जा रहा है कि शुक्रवार को होने वाले प्रदर्शन और मीटिंग के दौरान पुलिस अधिवक्ताओं से दूरी बनाकर रखेगी। सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में फोर्स तो रहेगा लेकिन किसी प्रकार की सख्ती नही होगी।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आज रहेगा अतिरिक्त अलर्ट

वकीलों की बैठक को लेकर आज रहेगी सतर्कता

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में आज विशेष अलर्ट रहेगा। दरअसल आज 6 दिसंबर है, आज ही के दिन बाबरी मस्जिद विध्वंस कांड हुआ था तो वही संविधान रचयिता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि भी है। इसके साथ ही पश्चिम उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को पुलिस वैसे भी अतिरिक्त सतर्कता बरतती है। तो वही गाजियाबाद में आज 22 जिलों के अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक है। इन सभी मामलों को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन जिसमें शहर, ग्रामीण और ट्रांस हिंडन का इलाका आता है, वहां विशेष सतर्कता रखी जाएगी। तो वहीं सोशल मीडिया से लेकर सार्वजनिक स्थानों व धार्मिक स्थलों पर भी पुलिस की निगरानी रखने का काम करेगी।

कार्यक्रमों से लेकर आयोजनों तक पर रहेगी नजर

करंट क्राइम : आज 6 दिसंबर है और 6 दिसंबर महत्वपूर्ण तिथि है। कई तरीके के इस दिन को लेकर संवेदनशील मामले दर्ज हैं, तो वहीं आज फ्राइडे अलर्ट वाला सीन भी देखने को मिलेगा। संभल में हुई हिंसा के बात यह है दूसरा शुक्रवार है। तो वही मंगलवार को राहुल गांधी के दिल्ली यूपी गेट बॉर्डर पर कूच के बाद संभल का मामला फिर एक बार सुर्खियों में आ गया है। इसके साथ ही भीमराव अंबेडकर का परि निर्माण दिवस है। इसको लेकर पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में कई तरीके के कार्यक्रम हैं। इन कार्यक्रमों और आयोजनों पर भी पुलिस और खुफिया तंत्र की नजर रहेगी।

धर्मस्थलों से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर खुफिया विभाग मुस्तैद रहेगा

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाली सभी प्रमुख मस्जिदों और मंदिरों के साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर भी पुलिस निगरानी रखने का काम करेगी। वहीं नमाज के वक्त खास तौर पर पुलिस के अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही सोशल मीडिया और संवेदनशील इलाकों में ड्रोन व कैमरों की भी निगरानी की जाएगी। बता दें की 6 दिसंबर को लेकर पूरे प्रदेश में पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए थे। उधर खुफिया विभाग की टीम भी इनपुट जुटाने का काम करेगी।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥
तेरहवीं/रस्म पगड़ी
(25/02/1948 - 26/11/2024)
अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारी पूज्यनीय माता जी
श्रीमती मिथलेश बिंदल
(धर्मपत्नी स्व. सुंदर लाल बिंदल)
का स्वर्गवास मंगलवार 26 नवम्बर 2024 को हो गया है।
रस्म पगड़ी शुक्रवार 6 दिसम्बर 2024 को होनी निश्चित है।
कार्यक्रम
शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2024
हवन ..... प्रातः 9 बजे
ब्रह्मभोज ..... दोपहर 12 बजे
भजन एवं रस्म पगड़ी ..... दोपहर 2 से 3 बजे
स्थानः एस.जी.एम. गार्डन, लाल कुर्ती,
ब्रुक स्ट्रीट, निकट बेगम पुल, मेरठ
सम्पर्क सूत्रः
निधिश बिंदल 9720700800
सर्वम बिंदल 9719648999
अमित 9927039494
श्रद्धानवतः- आशुतोष बिंदल (पुत्र)
निवेदकः समस्त परिवार
Bindals

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के साथ की बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न। जनपद में संचालित कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) के संतृप्तीकरण के सम्बन्ध में जिसमें निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। जैसे एफ.पी.ओ. हेतु बीज एवं उर्वरक लाइसेन्स के सम्बन्ध में वार्ता की गयी। एफ.पी.ओ. की गाइड लाइन के अनुसार एफ.पी.ओ. को बीज, कीटनाशक रसायन, खाद एवं उर्वरक के लाइसेन्स कृषि विभाग द्वारा प्राथमिकता पर दिये जाये तथा एफ.पी.ओ. को मण्डी लाइसेन्स एवं जी.एस.टी. लाइसेन्स से संतृप्त किया जाये। एफ.पी.ओ. द्वारा स्वयं की प्रोफाइल शक्ति पोर्टल पर फीड करने फारवर्ड लिंकेज एवं प्रसंस्करण इकाई को बढ़ावा दिया जाने पर बल दिया गया है।

उप कृषि निदेशक, गाजियाबाद द्वारा एफ.पी.ओ. की गाइड लाइन का हवाला देकर उनको कार्य करने में आ रही असुविधा के निराकरण के लिए जनपद स्तरीय मोनेटरिंग समिति द्वारा प्रस्ताव रखे जिनका निराकरण करने हेतु जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। यह भी अवगत कराया गया है कि नवीन फल सब्जी मण्डी, साहिबाबाद में एफ.पी.ओ. हेतु पॉच दुकानों को आरक्षित किया गया है। जिनमें से तीन दुकानों का आवंटन एफ.पी.ओ. को हो चुका है। एफ.पी.ओ. हेतु दो दुकानों का लक्ष्य शेष है। जिस हेतु 09 दिसम्बर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

बैठक में उपस्थित सुन्दर चौहान, निदेशक फार्मर प्रोडयूशर कम्पनी लि.. द्वारा अवगत कराया गया है कि हमारे एफ.पी.ओ. को एक दुकान आवंटित हो चुकी है जिस पर हमारे द्वारा बीज उत्पादन कर विक्रय की कार्यवाही की जा रही है। सुनील चौहान, निर्देशक, भोजपुर शुगर केन फार्मर प्रोडयूशर कम्पनी लि. द्वारा अवगत कराया गया कि हमारे एफ.पी.ओ. द्वारा वर्ष 2022 में मण्डली में दुकान हेतु आवेदन किया गया था परन्तु हमकों दुकान का आवंटन नहीं किया गया इस पर मण्डी निरीक्षक द्वारा अवगत कराय गया कि इस समय कोई भी आवेदन लम्बित नहीं है।

मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा मण्डी निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि एफ.पी.ओ. को दुकानों का आवंटन अवश्य किया जाये उपस्थित एफ.पी.ओ. के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि आप 05-06 दिसम्बर 2024 तक अपना आवेदन ऑनलाइन भरकर सबमिट कर दे। बैठक में 05 एफ.पी.ओ. के सदस्य एवं 07 जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे एफ.पी.ओ. की समस्याओं को द्वारा सुलझाने हेतु उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी समस्या का समाधान करने में लापरवाही न बरती जाये।

लखनऊ भाजपा ने संगठन चुनाव हेतु पर्यवेक्षक घोषित किए

मंत्री सुरेश खन्ना को बनाया गया गाजियाबाद का पर्यवेक्षक

गाजियाबाद करंट क्राइम। सुरेश कुमार खन्ना को गाजियाबाद महानगर, नोएडा महानगर, गौतमबुद्धनगर तथा बुलन्दशहर, सूर्य प्रताप शाही को आगरा जिला, आगरा महानगर, मथुरा जिला एवं मथुरा महानगर, स्वतंत्र देव सिंह को गोरखपुर जिला, गोरखपुर महानगर व महराजगंज, धर्मपाल सिंह मेरठ जिला, मेरठ महानगर एवं बागपत, नरेन्द्र कश्यप को बरेली जिला, बरेली महानगर एवं आंवला, सोमेन्द्र तोमर को बलरामपुर व श्रावस्ती, जसवंत सैनी को अमेठी, सुलतानपुर एवं प्रतापगढ जिले के लिए पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. रमापति राम त्रिपाठी लखनऊ जिला, लखनऊ महानगर एवं उन्नाव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पंकज सिंह अम्बेडकरनगर, अयोध्या जिला एवं अयोध्या महानगर, संतोष सिंह मुरादाबाद जिला, मुरादाबाद महानगर व रामपुर, सुनीता दयाल मैनपुरी, फिरोजाबाद जिला एवं फिरोजाबाद महानगर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल मीरजापुर, भदोही एवं सोनभद्र, अमर पाल मौर्य जालौन, चित्रकूट, बांदा एवं हमीरपुर, अनूप गुप्ता प्रयागराज महानगर, प्रयागराज गंगापार, प्रयागराज यमुनापार एवं कौशाम्बी, प्रियंका रावत फतेहपुर एवं महोबा, संजय राय बाराबंकी एवं रायबरेली, सुभाष यदुवंश लखीमपुर, सीतापुर एवं हरदोई, रामप्रताप सिंह चौहान झांसी जिला, झांसी महानगर एवं ललितपुर, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि मुजफ्फरनगर व बिजनौर, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर को हापुड़ एवं गाजियाबाद, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रामचन्द्र कनौजिया को औरैया एवं इटावा जिला का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रभा शंकर पाण्डेय सहारनपुर जिला व सहारनपुर महानगर, राष्ट्रीय परिषद सदस्य डा. एम.पी. सिंह शाहजहांपुर जिला, शाहजहांपुर महानगर एवं पीलीभीत, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विनोद पाण्डेय अलीगढ़ जिला, अलीगढ़ महानगर एवं हाथरस, राष्ट्रीय परिषद सदस्य शेषनाथ आचार्य बहराइच एवं गोण्डा, राज्यसभा सदस्य दर्शना सिंह संभल व अमरोहा, राज्यसभा सदस्य चौधरी तेजवीर सिंह सिद्धार्थनगर एवं संतकबीरनगर, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी शामली, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अक्षयवर लाल गौंड लालगंज, आजमगढ़ एवं मऊ,पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री जय प्रकाश चतुवेर्दी कानपुर उत्तर, कानपुर दक्षिण एवं कानपुर ग्रामीण, पूर्व प्रदेश महामंत्री विन्ध्यवासिनी कुमार कानपुर देहात, फरूर्खाबाद एवं महोबा, पूर्व प्रदेश महामंत्री अश्वनी त्यागी जौनपुर, मछलीशहर एवं गाजीपुर, पूर्व सांसद सुब्रत पाठक वाराणसी महानगर, वाराणसी जिला एवं चंदौली, पूर्व सांसद पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल बदायूं, कासगंज एवं एटा, पूर्व सांसद लल्लू सिंह कुशीनगर, देवरिया एवं बलिया, पूर्व विधायक सुरेन्द्र नारायण ओढे को बस्ती जिला पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया।

जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन 2024' के लिए समीक्षा बैठक संपन्न

जन चौपाल, गोष्ठियों, जल के संबंध में जन जागरूकता रैलियों, स्कूल, कॉलेज में चित्रकला, वाद विवाद, जल संरक्षण पर निबंध सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण हेतु जागरूक किया जा रहा है

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भूजल स्तर को बढ़ाने एवं वर्षा के जल को संचयन करने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद के संयुक्त सचिव, रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार / केन्द्रीय नोडल अधिकारी जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन 2024' की धर्मेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि जल ही जीवन है, जल संरक्षण करना हमारी अहम जिम्मेदारियों में से एक है, इसलिए संबंधित विभागों के अधिकारी गण आपसी समन्वय बनाते हुए जनपद के भूजल स्तर को बढ़ाने एवं मानसून सत्र के दौरान वर्षा जल को संचयन करने हेतु जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2024 के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा केंद्रीय नोडल अधिकारी को अवगत कराया गया कि जनपद में जल संरक्षण को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर कार्य प्रगति पर चल रहा है साथ ही जन चौपाल, गोष्ठियों, जल के संबंध में जन जागरूकता रैलियों, स्कूल, कॉलेज में चित्रकला, वाद विवाद, जल संरक्षण पर निबंध सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण हेतु जागरूक करते हुए उनको जल की महत्वता से अवगत भी कराया जा रहा है। सहायक अभियंता लघु सिंचाई हिमांशु गौतम द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से केंद्रीय नोडल अधिकारी को अवगत कराया कि किस प्रकार से जनपद में भूजल रतर को बढ़ाने एवं वर्षा के जल को संचयन हेतु कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

जल ही जीवन है, जल संरक्षण सबकी जिम्मेदारी

जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों में योजना के तहत सीधे ट्यूबवेल व टैंक के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। इसी प्रकार भूगर्भ जल विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों द्वारा जल शक्ति अभियान को सफल बनाने हेतु की गई कार्रवाई से अवगत कराया गया।

जनपद के नोडल अधिकारी ने बैठक में उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वर्षा के जल संचयन हेतु रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का सक्रिय होना बहुत जरूरी है, इसलिए प्राधिकरणों एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण बृहद स्तर पर अभियान चलाकर यह सुनिश्चित करें कि जनपद के सभी सरकारी कार्यालय एवं भवनों, हाई राइज सोसायटियों, स्कूलो / कॉलेजों, औद्योगिक संस्थानों आदि में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय हैं और यदि कहीं पर भी रेनवाटर हार्वेस्टिंग सक्रिय न पाया जाए तो तत्काल उसको सक्रिय कराया जाए।

साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल /कॉलेजों में बच्चों को भी जागरूक किया जाए कि जल का उनके जीवन में कितना महत्व है और इसको किस तरीके से बचाया जा सकता है। स्कूलों में चित्रकला, जल संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिताओं आदि के माध्यम से भी जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही जनपद में भी व्यापक स्तर पर वह अभियान चलाकर आम जनमानस को जागरूक करें कि अनावश्यक रूप से जल का दोहन न करें और अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन एवं ग्राउंडवाटर रिचार्ज हेतु विभिन्न गतिविधियां करते हुए भूजल को बचाने में अपनी सहभागिता दर्ज करायें।

मोदीनगर तहसील व रजिस्ट्री कार्यालय में भी कामकाज रहा ठप

मोदीनगर, करंट क्राइम। गाजियाबाद जिला जज कोर्ट में वकीलों पर लाठीचार्ज का मामले को लेकर गुरूवार को भी वकीलों ने कामकाज ठप्प रखा ओर बैनामा लेखको के समर्थन के चलते रजिस्ट्री का कार्य भी ठप्प रहे। फरियादी से लेकर जमीन की खरीद फरोख्त वालों को तहसील पहुंचने पर निराशा हाथ लगीं। वकीलों ने मांग पूरी नहीं होने तक सात दिसंबर तक मोदीनगर तहसील में कामकाज ठप रखने का निर्णय लिया है। बार एसोसिएशन मोदीनगर के बैनर तले तहसील में वकीलों की बैठक हुई। बैठक में दस्तावेज व बैनामा लेखक भी रहे। इस दौरान निर्णय लिया गया कि कोई भी वकील चैंबर नहीं खोलेगा, ना ही कोई टाईपिस्ट काम करेगा। रजिस्ट्री कार्यालय को भी बंद रखा जाएगा। यदि कोई वकील नियमों की अवहेलना करता है तो उस पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वकीलों ने मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। विरोध प्रदर्शन में शमिल रहे लोगो मे बार एसोसिएशन मोदीनगर के अध्यक्ष उत्तम त्यागी के अलावा सचिव सौरव मुद्गल, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, पूर्व सचिव नकुल त्यागी, प्रेमवीर राठी, कुलदीप बंसल, अजित कुमार, अजय राठी, राजकुमार चैधरी, राजकुमार त्यागी, विनोद तेवतिया, जय सिंह, प्रवीण कुमार, सुधीर वशिष्ठ, संजय मुद्गल आदि मौजूद रहे।

कानूनगो, लेखपाल सहित अन्य तहसील कर्मचारियों को नोटिस

मोदीनगर, करंट क्राइम। 35 साल से लापता व्यक्ति का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर 17 बीघा कृषि भूमि पर विरासत में नाम दर्ज करने के मामले में कानूनगो, लेखपाल सहित अन्य कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा प्रमाण पत्र बनाने वाले नगर पंचायत कर्मचारियों के खिलाफ भी जांच शुरू हो गई। उपजिलाधिकारी डॉ0 पूजा गुप्ता ने कहा कि फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले नगर पंचायत कर्मचारियों के खिलाफ जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज डायरी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर हिंदुस्तान को बंद करना चाहिए पड़ोसी मुल्क के साथ कारोबार : जावेद खान सैफ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे लगातार हमले पर भाजपा नेता जावेद खान सैफ ने नाराजगी व्यक्त की है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बांग्लादेशी सरकार जल्द से जल्द शांति व्यवस्था कायम नहीं कर सकती तो भारत सरकार को उनके सभी प्रकार के आयात निर्यात बंद कर देने चाहिए। भाजपा नेता जावेद खान सैफ ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे अत्याचार पर रोष जगाया है। उन्होंने कहा हिंदुस्तान की परंपरा रही है वासुदेव कुटुंबकम हम भारत में जैसे सोहार्दपूर्ण और शांति के साथ प्रत्येक समुदाय के लोग रहते हैं। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वर्ग के लोग हिंदुओं पर हमला कर विश्व शांति भंग करने का कार्य कर रहे हैं। जावेद खान सैफ ने मोदी सरकार से मांग की है कि संयुक्त राष्ट्र संघ में बांग्लादेश सरकार की निष्क्रियता व हिंदू धर्म के अनुयायियों पर अत्याचार की शिकायत मोदी सरकार को विश्व पटल पर रखनी चाहिए और तुरंत बांग्लादेश से आयात निर्यात पर रोक लगनी चाहिए।

पुरानी रंजिश के चलते पत्थरबाजी और फायरिंग, दो घायल, चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर, करंट क्राइम। पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे, पत्थरबाजी व दोनों पक्षों के बीच कई राउंड फायरिंग भी की। इस संघर्ष में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मारपीट हुई है फायरिंग नहीं हुई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जायेगा।

आरओबी निर्माण को लेकर प्रभावित व्यापारियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक

मोदीनगर, करंट क्राइम। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर बनने वाले आरओबी निर्माण को लेकर प्रभावित व्यापारियों की समस्याओं पर एसडीएम की अध्यक्षता में चर्चा की गयी। साथ ही निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। बैठक में प्रभावित व्यापारियों ने नाले के चौड़ीकरण, जमीन अधिग्रहण को लेकर मिलने वाले मुआवजे संबधित कई समस्याओं को भी उठाया। तहसील सभागार में एसडीएम डॉ0 पूजा गुप्ता की अध्यक्षता आहूत बैठक में आरओबी निर्माण को लेकर प्रभावित व्यापारियों की समस्याओं को विधायक डॉ0 मंजू शिवाच ने रखा। इस मौके पर व्यापारियों ने प्रभावित दुकानों व गृहस्वामियों को दिये जाने वाले मुआवजा का रेट व प्रभावित व्यापारियों को अधिक से अधिक राहत दिलाने व उनके कारोबार को लेकर उन्हें कम से कम कीमत पर दुकान दिलाने की मांग को भी उठाया हैं, ओर नगर पालिका के माध्यम से दुकान आंवटित कराने की मांग को दोहराया। बैठक में तहसीलदार रजत कुमार,पालिका के ईओ नरेंद्र मोहन मिश्र, विधुत विभाग के एसडीओ राजीव कुमार, सेतु निगम के अधिकारियों के अलावा व्यापारी नेता शामिल रहे।

70 वर्ष से अधिक आयु वाले नागरिकों के बनाये जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु वाले नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। इसके लिए जनपद के समस्त सरकारी चिकित्सालयों, निकटतम सामुदायिक / प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है। लाभार्थी अपने निकटतम जनसेवा केन्द्रों पर आधार कार्ड के साथ आयुष्मान बनाये जाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त लाभार्थी स्वयं beneficiary.nha.gov.in पोर्टल के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु आवेदन कर सकते है। पंचायत सहायकों एवं सीएचओ के सहयोग से भी आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है।

पार्षद प्रीति जैन ने लगवाया निशुल्क आयुष्मान कार्ड कैंप

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 99 वैभव खंड में पार्षद प्रीति जैन के नेतृत्व में आयुष्मान कार्ड बनाने का कैंप लगवाया गया। यह कैंप पार्षद कार्यालय में निशुल्क आयोजित किया गया, जिसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने का प्रयास किया गया। इस कैंप में 150 से अधिक लोगों ने अपना आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना का लाभ लिया। आयुष्मान कार्ड योजना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है, जिससे गंभीर बीमारियों का इलाज भी संभव हो सके। इस पहल में सभी नागरिकों का सहयोग सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने परिवार व समाज के कल्याण में सहभागी बनें।

पूर्व पार्षद अभिनव जैन ने बताया कि सीनियर सिटीजन अधिक से अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए कार्यालय पर आए हैं। जिन्हें लाभ मिला है। यह कैंप निरंतर रूप से वार्ड के लोगों को सुविधा के लिए समय-समय पर लगाया जाएगा।

किसान सेना (अराजनीतिक) के कार्यकर्ता सड़क पर बैठे

नोएडा में किसानों की गिरफ्तारी का कर रहे थे विरोध, पुलिस ने हिरासत में लिया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के थाना वेब सिटी क्षेत्र के महरौली इलाके में किसान सेना (अराजनीतिक) से जुड़े नेता और कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए। उनके मुताबिक नोएडा में हुई किसानों की गिरफ्तारी का वह विरोध कर रहे थे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत अन्य लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनको वेब सिटी थाने ले आई है। किसान सेना (अराजनीतिक) के जिला महामंत्री विशाल ठाकुर ने बताया कि नोएडा में किसानों के गिरफ्तारी के विरोध में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अवनीत पवार के नेतृत्व में वह लोग विरोध कर रहे थे। इसी विरोध के दौरान वह लोग महरौली पर रोड पर बैठ गए थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पुलिस पहुंची और उन सबको वे सिटी थाने ले गई है।

स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व पार्षद ललित कश्यप ने असीम अरुण और विधायक संजीव शर्मा को पुष्प देकर स्वागत किया।

ट्यूशन पढ़ने गई नाबालिग लापता

मोदीनगर, करंट क्राइम। ट्यूशन पढ़ने गई एक नाबालिग लापता हो गई। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए कॉलोनी के ही एक युवक को नामजद किया है। कालोनीवासी (16) वर्षीय युवती गुरूद्धारा रोड पर कोचिंग क्लास में पढ़ने के लिए घर से निकली, लेकिन जब रात तक नही लौटी और उसका मोबाइल फोन स्वीच ऑफ मिला तो परिजनों ने उसे काफी तलाशा। परिजनों की ओर से धोबी घाट कालोनी निवासी एक युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस नाबालिग की तलाश कर रही है।

नोएडा में धरने पर बैठे 34 किसान गिरफ्तार, रातों-रात पुलिस ने धरना स्थल खाली कराया

किसान नेता बोले- इतनी तानाशाही ठीक नहीं

भारतीय किसान यूनियन के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी गौरव टिकैत ने नोएडा में चल रही किसानों की पंचायत में पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने कहा है- सीधे-साधे किसानों पर अत्याचार हो रहा है। इससे योगी सरकार की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने कहा- किसानों के बच्चे, युवा दिशाविहीन हो रहे हैं। दिल्ली तो नजदीक है, लेकिन क्या हमें लखनऊ की भी यात्रा करनी पड़ेगी? निर्दोष किसानों को धरने से अवैध तरीके से उठाकर जेल में ठूंस दिया है। इतनी तानाशाही ठीक नहीं।

नोएडा, करंट क्राइम। नोएडा में पंचायत से पहले पुलिस ने 34 किसानों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार देर रात पुलिस ने जीरो पॉइंट पर धरने के लिए बैठे किसानों को भी हटा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से किसानों में आक्रोश है। दरअसल, बुधवार शाम को उट योगी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अराजकता कहीं भी बर्दाश्त नहीं होगी। चाहे वो संभल हो या ग्रेटर नोएडा। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस ने एक्शन लिया। 2 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के 10 संगठनों ने अपनी 4 मांगों को लेकर दिल्ली कूच का ऐलान किया था। अफसरों के आश्वासन के बाद किसानों ने 7 दिन का समय दिया और नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन को शिफ्ट कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल आने वाले किसानों को रोक दिया। इसके साथ ही 8 किसान नेता समेत 123 किसानों को गिरफ्तार कर लिया। 4 दिसंबर को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) किसानों को छुड़ाने के लिए महापंचायत बुलाई। इसमें शामिल होने जा रहे महापंचायत में शामिल होने पहुंच रहे राकेश टिकैत को पुलिस प्रशासन ने अलीगढ़ के टप्पल पर रोक लिया। इसके बाद पंचायत से किसानों ने ऐलान किया कि अगर 1 घंटे में राकेश को नहीं छोड़ा तो आंदोलन होगा। किसानों के विरोध को देखते हुए पुलिस ने राकेश टिकैत को छोड़ दिया। टिकैत वहां से भागते हुए यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे। पुलिस पीछे-पीछे दौड़ती रही। पुलिस को डर था कि टिकैत हाईवे पर न बैठ जाएं। हालांकि, वह से गाड़ी से ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हो गए। हालांकि, वह धरनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे।

बुधवार को 123 किसानों को पुलिस ने छोड़ा था

बुधवार शाम को 123 किसानों को भी पुलिस ने लुक्सर जेल में छोड़ दिया। देर रात ग्रेटर नोएडा के जीरो पाइंट पर पंचायत प्रमुखों की पुलिस अफसरों से बातचीत हुई। इसके बाद पंचायत प्रमुखों ने कहा- आज धरना जीरो पाइंट पर जारी रहेगा। आज संयुक्त मोर्चे की मीटिंग के बाद निर्णय लिया जाएगा कि धरना जीरो पाइंट पर चलेगा या दलित प्रेरणा स्थल पर।

नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों और उच्च अधिकारियों पर हमला

नोएडा करंट क्राइम। नोएडा प्राधिकरण ने किसानों के खिलाफ दो थानों में मुकदमा दायर करने के लिए शिकायत दी है। पहला मामला प्राधिकरण के अंदर घुसकर मारपीट और पत्रावली को फाड़ने से संबंधित है। जबकि दूसरा मामला सेक्टर-45 का है। जहां हाईकोर्ट के आदेश पर संपत्ति सील करने गए प्राधिकरण कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। दोनों मामलों में 90 अज्ञात के खिलाफ शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है। पहला मामला 3 दिसंबर का है। जिसमें नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में करीब डेढ़ बजे नोएडा और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मीटिंग कर रहे थे। इस दौरान आशीष चौहान और रोहित दो लोग प्राधिकरण के भूलेख विभाग में आए कर्मचारियों के साथ गाली गलौज और मारपीट करने लगे। इन दोनों को नोएडा पुलिस की मदद से बाहर किया गया।

इस दौरान प्राधिकरण के बाहर धरना दे रहे कि करीब 50 से 60 किसान प्राधिकरण के गेट पर आ गए। जबरन गेट तोड़कर परिसर में घुस गए। प्राधिकरण के अंदर घुसकर कर्मचारियों के साथ गाली गलौज करने लगे और मारपीट की। जिससे प्राधिकरण में अफरातफरी का माहौल बन गया। प्राधिकरण परिसर में शोर शराबा सुनकर उच्चाधिकारी मीटिंग रूम से बाहर आए और पुलिस बल के साथ उन लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वो नहीं माने उच्चाधिकारियों पर भी हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान प्राधिकरण के कर्मचारियों को बंधक बनाया और राजकीय कार्यों को पूर्ण रूप से बाधित किया। साथ ही सरकारी पत्रावलियों को फाड़ कर क्षति पहुंचाई गई। इससे पहले भी इन्ही लोगों ने प्राधिकरण के अंदर घुसकर हंगामा किया था। जिसके संबंध में पूर्व में थाना सेक्टर-20 में मुकदमा किया गया। फिलहाल इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाही की जा ही है।

दूसरा मामला थाना सेक्टर-39 क्षेत्र का है। तीन दिसंबर को नोएडा प्राधिकरण की टीम सेक्टर-45 में आवासीय भूखंड की जमीन पर चल रहे अवैध रेस्टोरेंट को सील करने पहुंची थी। इस दौरान आवंटी और उसके समर्थकों द्वारा प्राधिकरण अधिकारियों के साथ अभद्रता और मारपीट की गई।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 ● नई दिल्ली। शुक्रवार 06 दिसंबर -2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

शहर विधायक संजीव शर्मा का पहला वादा पूरा होने की हुई शुरुआत

दूधेश्वर कोरिडोर का सर्वे शुरू और छह करोड़ रुपए हुए पास

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर विधायक बनने के बाद भगवा कमांडर संजीव शर्मा विकास वाले ट्रैक पर चल दिये हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान श्री दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर कोरिडोर की बात की थी। जब मुख्यमंत्री आए थे तो वो भी दूधेश्वरनाथ कोरिडोर की घोषणा करके गए थे। संजीव शर्मा अब शहर विधायक हैं और उन्होंने विकास की तरफ कदम बढ़ाए हैं। एक बड़ी शुरूआत की है और बताया जाता है कि दूधेश्वर कोरिडोर बनने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि इस काम की शुरूआत हो गई है और इसकी डीपीआर तैयार हो रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है। दूधेश्वरनाथ कोरिडोर में सड़क के चौड़ीकरण सहित कई प्रस्ताव हैं। गुरुवार को एक समिति निरीक्षण के लिये पहुंची है। मुख्यमंत्री ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि पर्यटन विभाग इसके लिए छह करोड़ का प्रस्ताव भेजेगा। इसके अलावा यहां जीडीए और नगर निगम की टीमे काम करेगी। जो तीन सदस्यीय टीम बनाई

गई है उसमें एक-एक सदस्य जिला प्रशासन, नगर निगम, जीडीए से लिये जाएंगे। ये सभी सदस्य पीसीएस स्तर के होंगे। ये समिति इसका पूरा नक्शा तैयार करेगी, इसकी डीपीआर तैयार हो रही है। संजीव शर्मा ने बताया कि जब प्रभारी मंत्री असिम अरुण आए थे तभी उनके साथ बैठक में इस विषय पर चर्चा हुई थी।

नगर आयुक्त पहुंचे दूधेश्वरनाथ मंदिर, ड्रोन से होगी वीडियोग्राफी

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक निगम अधिकारियों के साथ दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर पहुंचे वहां जाकर मंदिर के महंत श्री नारायण गिरी महाराज से मुलाकात की दूधेश्वर नाथ कॉरिडोर बनाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा हुई और किस तरह कार्यवाही प्रारंभ होनी है इसकी कार्य योजना बनाई गई। मंदिर के आसपास के मार्गों को चौड़ीकरण के लिए भी चर्चा हुई। मुख्य मार्ग को विशेष रूप से चौड़ा करने के लिए संबंधित संपत्ति विभाग के अधिकारियों से भी मौके पर नक्शा मंगाकर वार्ता की गई। इसी क्रम में दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के बाहर बनी

हुई दुकानों को भी व्यवस्थित करने को लेकर चर्चा की गई। मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव वरिष्ठ प्रभारी संपत्ति, मुख्य अभियंता निर्माण एन के चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज व अन्य निर्माण की संबंधित टीम उपस्थित रही। महंत श्री नारायण गिरी ने दूधेश्वर नाथ कॉरिडोर प्रकरण में तेजी से कार्य करने के लिए नगर आयुक्त से संयुक्त बैठक करने के लिए कहा। गाजियाबाद नगर निगम संपत्ति विभाग से पूरे क्षेत्र का सर्वे कराएगा जिसके आधार पर आगामी योजना बनाई जाएगी ड्रोन के माध्यम से भी वीडियोग्राफी का कार्य किया जाएगा ताकि निर्णय लेने में आसानी हो सके। बाहरी दुकानों को भी शिफ्ट करने के लिए योजना बनाई जाएगी।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा- संगठन चुनाव में नहीं होनी चाहिए जनप्रतिनिधियों की दखल

किया अनुरोध, ना दें उनको बढ़ावा जिन्होंने छुपकर या सामने किया है पार्टी का विरोध

मुझे ताकतवर समझने वालों की गलतफहमी हो जाएगी दूर

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग से ये सवाल हुआ कि आप गाजियाबाद से ऐसे लोकसभा सांसद हैं जो राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा बन गए हैं। आप राष्ट्रपति के साथ विदेश दौरे पर गए। आपको सदस्यता अभियान समीक्षा समिति में लिया गया। आप दिल्ली प्रदेश चुनाव के सहप्रभारी हैं। आपके बारे में ये कहा जाता है कि आप इन दिनों कई चेहरों पर भारी हैं और आप भाजपा के बड़े चेहरों में शुमार होते हैं। इस सवाल पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मैं पार्टी का सबसे सामान्य कार्यकर्ता हूं और लोकसभा सांसद हूं। भाजपा में कई शीर्ष नेता हैं और जो मुझे ताकतवर समझ रहे हैं उनकी ये गलतफहमी जल्दी ही दूर हो जाएगी। मुझे बड़ा चेहरा समझने का भ्रम भी दूर हो जाएगा। मैं फिर दोहरा दूं कि मैं भाजपा का एक सामान्य कार्यकता हूं।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इन दिनों भाजपा में संगठन चुनाव चल रहे हैं। मंडल से लेकर महानगर के अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है ऐसे में जिस तरह से टिकट में सांसद की संस्तुति अहम मानी जाती है तो क्या अध्यक्ष के नाम पर भी सांसद की दखल रहती है।

करंट क्राइम ने सांसद अतुल गर्ग से बात की और उनसे ये सवाल पूछा, तो यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि उनकी राय में सांसद और विधायकों को संगठन के चुनाव में बिल्कुल भी दखलअंदाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के लिए सभी कार्यकर्ता एक समान हैं। जब करंट क्राइम ने उनसे सवाल किया कि ये एक आम चर्चा है कि संजीव के विधायक बनने में आपका पूरा दखल रहा है तो यहां अतुल गर्ग ने कहा कि हमसे राय पूछी गई थी और हमने अपनी राय दी थी। अतुल गर्ग ने कहा कि भाजपा में किसी एक के कहने से निर्णय नहीं होते। भाजपा में हर फैसला सर्वसम्मति से होता है। उन्होंने कहा कि मैं एकदम स्पष्ट कर दूं कि अध्यक्ष पद को लेकर कोई नाम मेरे दिमाग में नहीं है। सबने मुझे चुनाव लड़वाया है और जो भी अध्यक्ष बनेगा वो पार्टी हित में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा में योग्यता के आधार पर चुनाव होते हैं।

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने संगठन चुनाव के दौरान हाईकमान से एक विशेष अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पार्टी विरोध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष काम किया है, छुपकर किया या सामने किया, लेकिन पार्टी विरोध में कुछ किया है तो ऐसे लोगों को बढ़ाया नहीं दिया जाना चाहिए।

महानगर कांग्रेस कमेटी ने निकाला कैंडल मार्च

चार दिसंबर को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को संभल जाने से यूपी बॉर्डर पर रोके जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने ये कैंडल मार्च निकाला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय चौधरी के नेतृत्व में महानगर कांग्रेस कार्यालय से घंटाघर तक कैंडल मार्च निकाला गया। चार दिसंबर को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को संभल जाने से यूपी बॉर्डर पर रोके जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने ये कैंडल मार्च निकाला।

महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भविष्य में संभल पीड़ितों का हाल जानने के लिये जरूर जाएंगे। हम सभी जाएंगे चाहे सरकार कितनी भी ताकत लगा ले। कैंडल मार्च में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह, कोषाध्यक्ष विजयपाल चौधरी, बाबू राम शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष बलराम चावड़ा, हाजी खुर्शीद, हुमायु मिर्जा, सिराजुद्दीन, लक्ष्मण सिंह जाटव, विवेक त्यागी, महेंद्र सिंह, हितेष कसाना, राजेंद्र ढिल्लो, सतीश पार्चा, ब्रह्मपाल आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जीडीए उपाध्यक्ष ने जारी की सभी अधिकारियों के कार्यों की सूची

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने अपने पूर्व में जारी सभी आदेशों को अवक्रमित करते हुए सभी अधिकारियों के लिये आदेश जारी किये हैं। इनमें सचिव, अपर सचिव, वित्त नियंत्रण, ओएसडी, संयुक्त सचिव के कार्य शामिल हैं। जीडीए वीसी के आदेशों के अनुसार अब सचिव स्तर पर 21 प्रमुख कार्य दिये गये हैं जिनमें प्राधिकरन का सामान्य प्रशासन जो आवंटित जोन में दस लाख रुपए तक के समन स्वीकृति हेतु अधिकृत किया गया है। 300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के सभी मानचित्र स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार सचिव के पास होगा। प्राधिकरण की सभी बैठकों व बोर्ड

> **जीडीए वीसी के आदेशों के अनुसार अब सचिव स्तर पर 21 प्रमुख कार्य दिये गये हैं जिनमें प्राधिकरण का सामान्य प्रशासन जो आवंटित जोन में दस लाख रुपए तक के समन स्वीकृति हेतु अधिकृत किया गया है आदि**

बैठकों के आयोजन का कार्य भी सचिव के पास होगा। इसके अलावा सिविल के कार्य, बिल भुगतान, निर्माण विकास कार्य सचिव द्वारा देखे जाएंगे। उपाध्यक्ष से स्वीकृति के बाद पैंशन प्रपत्रों पर भी हस्ताक्षर के लिये सचिव को

अधिकृत किया गया है। अन्य कार्यों में ऐसे समस्त कार्य जो अन्य किसी अधिकारी को आवंटित नहीं हैं उन पर आवश्यक कार्यवाही करना तथा वो सभी कार्य जो उपाध्यक्ष द्वारा दिये गये हैं।

इसके अलावा अपर सचिव के कार्य भी तय किये गये हैं और अपर सचिव को सचिव का लिंक अधिकारी बनाया गया है। लिंक अधिकारी के कार्यों में आवासीय भूखंड से जुड़े कार्य, किराया अनुभाग के कार्य, मधुबन बापूधाम योजना से संबंधित सभी कार्यों के नोडल अधिकारी तथा प्राधिकरण की आगामी योजनाओं से जुड़े कार्य दिये हैं। इसके अलावा वित्त नियंत्रक के कार्यों में सभी प्रकार के वित्त, लेखा व्यय एवं बजट संबंधि कार्य हैं। एक लाख तक के आरटीजीएस प्रपत्रों पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिग्रहित किया गया है। वह निविदा समिति के भी सदस्य होंगे। वहीं ओएसडी प्रथम को प्रभारी आईजीआरएस, प्रभारी सम्पत्ति जोन, प्रभारी किराया तथा प्रभारी अधिकारी नया गाजियाबाद हरनंदीपुरम योजना का दायित्व दिया गया है। ओएसडी द्वितीय को प्रभारी विज्ञापन, प्रभारी कंप्यूटर टेलीफोन बनाया गया है। संयुक्त सचिव प्रथम, द्वितीय को सम्पत्ति जोन से जुड़े कार्य, लैंड पॉलिसी का प्रभारी बनाया गया है तथा एंटी भू-माफिया का नोडल अधिकारी बनाया गया है। मुख्य नगर निगयोजक को मास्टर प्लान अनुभाग, आर्किटेक्चरल कंट्रोल तथा भू उपयोग परिवर्तन प्रकरण सहित अन्य दायित्व दिये गये।

किस बात को लेकर काफी देर तक बना रहा कन्फ्यूजन

क्यों मांग ली पूर्व मेयर ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप से ट्यूशन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। किस्सा एक सामाजिक कार्यक्रम से जुड़ा है और सामाजिक कार्यक्रम में जब सियासत वाले आ जाए तो फिर ये नेता मिलन कार्यक्रम में तब्दील हो जाता है। सियासत में हास्य परिहास मुस्कराहटें फुर्रत के पल में दिखाई देती हैं और यहां कई बातें हास्य परिहास में होती हैं, लेकिन उसके पीछे के संदेश बड़े खास होते हैं। कार्यक्रम राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप के यहां था और कार्यक्रम समपान की ओर था और इसी बीच नरेंद्र कश्यप कुर्सी पर आकर बैठे। यहां पूर्व मेयर अशु वर्मा पहले से मौजूद थे। इसी बीच इन दिनों मोस्ट डिमांड में चल रहे शहर विधायक संजीव शर्मा भी आ गए। अब यहां कुछ राजनीतिक बातें हुई और अन्य बातें चल रही थी तभी पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा कि राज्यमंत्री नरेंद्र

कश्यप जी मैं आपसे ट्यूशन लेना चाहता हूं। पूर्व मेयर के इन शब्दों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा, लेकिन नरेंद्र कश्यप भी पुराने खिलाड़ी हैं और इतनी आसानी से तो वो भी काबू आने वाले नहीं हैं। इस बात को सुनकर नरेंद्र कश्यप मुस्कराए और अशु वर्मा की तरफ मुखातिब होते हुए बोले की आप तो राजनीति के मास्टर हैं और हम भला एक मास्टर को क्या ट्यूशन दे सकते हैं। हालांकि यहां नरेंद्र कश्यप ने अपने शब्दों से ये एहसास कराया कि वो 35 साल की उम्र में जनप्रतिनिध वाली पारी खेलने के लिये आ गए थे। इन बातों को सुनकर मोस्ट डिमांड में चल रहे विधायक संजीव शर्मा मुस्करा रहे थे। फिर ये बात सामने आई कि आखिर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप से ट्यूशन लेने की बात क्यों कही है।

यहां बताया गया कि जिस अंदाज में आप कार्यकताओं से मिलते हैं, जिस तरह से आप अपने विचार रखते हैं, ये सब बातें इतना प्रेरित करती हैं कि आपसे ट्यूशन लेने का मन हुआ है। अब ट्यूशन की बात तो चली और यहां इमोशन की बात आ गई। पूर्व मेयर अशु वर्मा कई बार सोशल मीडिया पर इमोशन के साथ आते हैं और अपनी पोस्ट के शब्दों से जोरदार शॉट लगाते हैं। कई बार तो वो अपनी पोस्ट को लेकर ही निशाने पर आ जाते हैं। हालांकि पूर्व मेयर ने अपनी इच्छा व्यक्त की और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप से ट्यूशन मांगा। यहां खास बात ये भी है कि नरेंद्र कश्यप ने ना भी नहीं किया और वादा भी नहीं किया। बताते हैं कि वादा तो हो जाता, लेकिन सामने बैठे शहर विधायक संजीव शर्मा स्टोरी में बड़ी बाधा बने हुए थे।

दैनिक करंट क्राइम की खबर के बाद वार्ड-19 में दिखा है इसका चुनावी इफेक्ट

उम्मीदवार को लगाना होगा यहां दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान का भी फोटो

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम ने अपनी खबर के माध्यम से ये बताया था कि प्रदीप चौहान को यहां साथ लेकर चलना होगा। ये भी बताया था कि प्रदीप चौहान की सिम्पैथी का यहां व्यापक असर होगा। भाजपा ने यहां उम्मीदवार घोषित कर दिया है और ये भी सत्य है कि भाजपा चुनाव छोटा हो या बड़ा हो उसे पूरी सीरियस तरीके से लेती है। पूरी तैयारी के साथ वो चुनाव में आती है। करंट क्राइम ने ये प्रकाशित किया था कि प्रदीप चौहान के सहयोग के बिना यहां मामला अधूरा रहेगा। करंट क्राइम ने इस मुद्दे को उठाया था और ये भी बताया था कि कुछ वोटों का वार्ड के चुनाव में क्या महत्व होता है। ये संदेश दिया था कि प्रदीप चौहान को साथ लेकर चलना जरूरी है। दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान के प्रति यहां लोगों में संवेदना है। दैनिक करंट क्राइम की खबर का इफेक्ट आया है और महानगर संगठन ने चुनाव लड़ाने वाली टीम और भाजपा उम्मीदवार को स्पष्ट निर्देश दे दिये हैं कि इस चुनाव में लगने वाली सभी प्रचार सामग्री पर दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान का फोटो लगना चाहिए। भाजपा महानगर अध्यक्ष तथा शहर विधायक संजीव शर्मा ने भी इस बात की पुष्टि की। उन्होंने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि भाजपा उम्मीदवार और उन्हें चुनाव लड़ाने वाली पूरी टीम को महानगर संगठन की ओर से ये निर्देश जारी कर दिये गये हैं कि वो अपने चुनाव प्रचार में दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान का फोटो अवश्य लगाएं।

जब प्रदीप ने बताई पीड़ा तो सिम्पैथी का आ गय सैलाब

करंट क्राइम। दैनिक करंट क्राइम ने पहले ही कहा था कि भाजपा के भीतर ये आवाज उठ रही है कि भाजपा को प्रदीप चौहान के साथ सिम्पैथी दिखानी चाहिए थी और जब प्रदीप चौहान ने गुरुवार को अपनी पीड़ा का जिक्र किया और बिना कोई दोषारोपण करते हुए ये लिखा कि असहनीय पीड़ा से गुजर रहा हूं। काश कोई कहे सब ठीक हो जाएगा। प्रदीप चौहान की इस पोस्ट के बाद सिम्पैथी का एक सैलाब आ गया। भाजपा नेताओं से लेकर समाज के सभी वर्गों ने उन्हें सांत्वना दी। उनकी पोस्ट पर सब उन्हें ढांढस बताते हुए दिखाई दिये, सांत्वना देते दिखाई दिये और ये लगा कि प्रदीप चौहान के साथ वास्तव में सिम्पैथी की एक लहर चल रही है। केवल अपने समाज का ही नहीं बल्कि इस चेहरे को समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। ये एक तरीके से संबंधों की भी कमाई है।

क्या किसान संगठनों ने बना ली है किसी बड़े आंदोलन की रणनीति

नोएडा के बाद अब गाजियाबाद में पुलिस से हुआ विवाद

गाजियाबाद , करंट क्राइम। नोएडा के बाद अब गाजियाबाद के किसान भी सड़कों पर उतर आए हैं। डासना में वेव सिटी क्षेत्रांतर्गत एनएच नौ सर्विस रोड पर किसानों ने विरोध-प्रदर्शन कर जाम लगाने का प्रयास किया। सड़क पर बैठे किसानों को पुलिस ने उठाया और थाना ले जाकर बातचीत करके छोड़ा। भारतीय किसान सेना के अध्यक्ष ने चेतावनी दी जबतक किसानों की मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक किसान सड़कों पर रहेंगे।

सरकार पर लगाया किसने की अनदेखी का आरोप

करंट क्राइम। किसानों का कहना है कि सरकार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। इस अवसर पर अवनीत पंवार के साथ अनुज चौधरी, गुड्डू व रिंकू आदि किसान मौजूद थे। एसीपी लिपि नगायच ने बताया कि महरौली एनएच नौ सर्विस रोड पर किसानों द्वारा मार्ग अवरूद्ध करने का प्रयास किया गया था। मगर पुलिस उनको वहां से उठाकर थाने ले आई, किसानों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जायेगा।

पहले सड़क पर लगाया जाम फिर थाने में हुई वार्ता

करंट क्राइम। वेवसिटी क्षेत्रांतर्गत एनएच नौ सर्विस रोड स्थित महरौली अंडरपास के सामने भारतीय किसान सेना के नेतृत्व में किसानों ने सड़क पर बैठकर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को सड़क से उठाकर वेव सिटी थाने ले गई। भारतीय किसान सेना के अध्यक्ष अवनीत पंवार ने बताया कि यह प्रदर्शन नोएडा में किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में किया गया। किसानों का आरोप है कि उनकी मांगें पूरी नहीं हो रही हैं और यदि इस बार उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे आर-पार की लड़ाई में शामिल होंगे।

संपादकीय

डॉलर को खतरा नहीं

अमेरिका के साथी और विरोधी दोनों डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। इस बात के साफ संकेत हैं कि उनका दूसरा कार्यकाल मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए उनके पहले कार्यकाल की तुलना में अधिक अप्रत्याशित और शायद अधिक उथलपुथल भरा हो सकता है। भारत भी इससे सुरक्षित नहीं रहेगा। खबरों के मुताबिक संबंधित विभाग अमेरिका के साथ भारत की कारोबारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। शुल्क में कमी का मामला बनता है लेकिन भारत को अपनी स्थिति प्रस्तुत करने के लिए अमेरिकी प्रतिष्ठान के साथ्ज्ञ अधिक सक्रियता से संबद्धता दिखानी होगी। यह दिलचस्प बात है कि ट्रंप ने हाल ही में ब्रिक्स देशों को धमकी दी है कि अगर उन्होंने ब्रिक्स मुद्रा बनाई या अमेरिकी डॉलर के स्थान पर किसी अन्य मुद्रा को तरजीह दी तो वह उन पर 100 फीसदी शुल्क लगा देंगे। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं और इसका विस्तार करके अन्य देशों को स्थान दिया जा सकता है। यह स्पष्ट नहीं है कि किस बात ने उन्हें यह टिप्पणी करने के लिए विवश किया लेकिन इससे मुद्रा बाजार में अस्थिरता आई। ऐसे में इस धमकी के गुणदोषों पर चर्चा करना जरूरी है। पहली बात, फिलहाल जैसे हालात हैं उनमें अमेरिकी डॉलर को कोई खतरा नहीं दिखता। बैंक ऑफ इंटरनैशनल सेटलमेंट्स के 2022 के नोट के मुताबिक 90 फीसदी मुद्रा व्यापार में डॉलर शामिल था। करीब 60 फीसदी विदेशी मुद्रा भंडार डॉलर में हैं। दूसरा, किसी मुद्रा को आरक्षित मुद्रा का दर्जा देने की इच्छा का कोई खास अर्थ नहीं है। इसके अलावा अब तक संभावित ब्रिक्स मुद्रा का आकार और उसकी कार्यविधि को लेकर भी कुछ पता नहीं है। ट्रंप शायद ब्रिक्स के सदस्य देशों को हतोत्साहित करना चाह रहे थे। खास तौर पर वह चीन को मुद्रा परियोजना आगे ले जाने देने से रोकना चाहते थे। चाहे जो भी हो भारत को ऐसे प्रयासों से बचना चाहिए। चूंकि चीन एक बड़ी अर्थव्यवस्था है, इसलिए योजना में उसका कद भी बड़ा होगा। हालांकि यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि इसे कैसे तैयार किया गया है। तीसरी बात, कुछ वैश्विक व्यापार समय के साथ युआन में स्थानांतरित हो सकता है क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था का आकार बहुत बड़ा है और उसके व्यापक कारोबारी संबंध हैं। बहरहाल, ऐसा सीमित दायरे में होगा क्योंकि चीन की पूंजी पर तगड़ा नियंत्रण है। मुद्रा भंडार की बात करें तो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के अनुसार 2024 की दूसरी तिमाही में चीनी मुद्रा में करीब 245 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा रखी गई थी जबकि अमेरिकी डॉलर वाला मुद्रा भंडार 6.6 लाख करोड़ डॉलर था। विभिन्न देश कारोबारी लेनदेन की सुगमता और वित्तीय बाजारों की गहराई को देखेंगे जो डॉलर के पक्ष में है। बहरहाल, यह बात ध्यान देने लायक है कि अगर डॉलर की स्थिति समय के साथ कमजोर पड़ती है तो इसकी वजह अमेरिकी राजनीति होगी। डॉलर के दबदबे वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना कुछ देशों पर विकल्प तलाशने का दबाव बनाएगी।

म्यूचुअल फंड की एनबीएफसी को फंडिंग

अक्टूबर में 47 प्रतिशत बढ़कर 2.33 लाख करोड़

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड्स का नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) को कर्ज, जिसमें कमर्शियल पेपर और कॉरपोरेट डेट शामिल है, अक्टूबर में बढ़कर 2.33 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह आंकड़ा करीब 6 महीने से 2 लाख करोड़ रुपये के ऊपर बना हुआ है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें सालाना आधार पर 47.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कमर्शियल पेपर जारी कर लिए गए डेट का आंकड़ा बीते एक साल से अधिक समय से एक लाख करोड़ रुपये के ऊपर बना हुआ है। मौजूदा समय में यह 1.22 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अक्टूबर 2024 में बैंकों का एनबीएफसी को दिया गया कर्ज 15.4 लाख करोड़ रुपये था। इसमें पर 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मासिक आधार पर इसमें 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर बैंकों की एनबीएफसी को दिए गए कुल अग्रिम

में हिस्सेदारी फरवरी 2018 के आंकड़े लगभग 4.5 प्रतिशत से लगभग दोगुनी होकर अक्टूबर 2024 में 8.9 प्रतिशत हो गई है, जो सितंबर 2024 में देखे गए स्तर के समान है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्सपोजर अक्टूबर 2023 के 9.4 प्रतिशत के स्तर से कम हो गया है। आरबीआई द्वारा नवंबर 2023 में एनबीएफसी को दिए बैंक लोन पर जोखिम भार में इजाफा किया गया है। अक्टूबर तक एनबीएफसी के लिए बैंकों द्वारा जोखिम का हिस्सा क्रमिक रूप से समान रहा है, जबकि एनबीएफसी डेट के लिए एमएफ जोखिम अक्टूबर 2024 में 2 लाख करोड़ रुपये से ऊपर 2.33 लाख करोड़ रुपये पर बना हुआ है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि एनबीएफसी ने अपनी लायबिलिटी प्रोफाइल में विविधता लाना शुरू कर दिया है। हालांकि, आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, कमर्शियल पेपर की वेटेड एवरेज डिस्काउंट रेट (डब्ल्यूएडीआर) नवंबर 2024 (12 नवंबर तक) में 7.44 प्रतिशत रही है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 7.70 प्रतिशत से कम है क्योंकि एनबीएफसी ने अपने लोन पोर्टफोलियो में उच्च वृद्धि की स्थिरता पर चिंताओं के कारण जारी करना कम कर दिया है।

बिटकॉइन की कीमत 1,00,000 डॉलर के पार

जल्द 1,20,000 का स्तर छू सकती है क्रिप्टोकरेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने 1,00,000 डॉलर की ऐतिहासिक उछाल दर्ज की है। इसका श्रेय उद्योग विशेषज्ञ बाजार गतिशीलता, अमेरिका की ओर से दी जा रही नियामक स्पष्टता और बिटकॉइन ईटीएफ के जरिए इंस्टीट्यूशनल एडॉप्शन को देते नजर आए। बिटकॉइन 4.39 प्रतिशत की बढ़त के बाद 1,03,095 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। बिनेंस में क्षेत्रीय बाजारों के प्रमुख विशाल सचेंद्रन के अनुसार, दुनिया भर की सरकारें और संस्थान ब्लॉकचेन तकनीक को अपना रहे हैं, इससे क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सकारात्मकता का संचार हुआ है। साथ ही डिजिटल एसेट को अपनाने और निवेश का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। उन्होंने कहा, यह नया उत्साह निरंतर विकास के लिए तैयार एक मैच्योर इकोसिस्टम को दिखाता है। यूएस स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन रिजर्व और कॉरपोरेट ट्रेजरी इंटीग्रेशन को लेकर चर्चाएं इसे मुख्यधारा में लाए जाने का संकेत देती हैं।

सचेंद्रन ने कहा, आने वाला साल बेहतर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, अधिक पारदर्शिता और डीईएफआई, टोकेनाइज्ड एसेट और ब्लॉकचेन इंटरऑपरेबिलिटी में इनोवेशन लाने को लेकर अहम होगा। जेबपे के सीईओ राहुल पगिदिपति ने कहा कि बिटकॉइन अब प्रभावी रूप से दुनिया की टॉप 10 सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक है, जो सोने को छोड़कर सभी वस्तुओं से ऊपर है और अधिकांश कंपनियों से अधिक है। न्होंने कहा, ₹क्रिप्टो बाजार का कुल पूंजीकरण भी 3.5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है, जो इस क्षेत्र में रुचि और व्यापक रूप से अपनाने के पैमाने को दशार्ता है। डेवेरे ग्रुप के निगेल ग्रीन ने एक महीने पहले कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप के फिर से चुनाव जीतने और संयुक्त राज्य अमेरिका

के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के बाद बिटकॉइन 1,00,000 डॉलर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा था, ₹मेरा मानना है कि 2025 की पहली तिमाही में बिटकॉइन 1,20,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। डिजिटल गोल्ड के रूप में बिटकॉइन की तेजी को नजरअंदाज करना असंभव होता जा रहा है। इसे मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव और पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन के एक टूल के रूप में देखा जा रहा है।

बीते 10 वर्षों में 32 देशों के 4,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवक ट्रेनिंग के लिए पहुंचे भारत

नई दिल्ली। लोकसभा को दी गई हालिया जानकारी के अनुसार, बीते 10 वर्षों में विभिन्न देशों के 4,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवकों ने सार्वजनिक नीति और शासन पर मध्य-कैरियर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए भारत का दौरा किया। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक लिखित उत्तर में कहा कि अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शासन में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन पर केंद्रित है, जिससे विदेशों में भारत के सुशासन मॉडल का प्रसार संभव हो रहा है।

आरबीआई मीटिंग के फैसले से पहले सेंसेक्स 809 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बीच हरे निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 809.53 अंक या 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,765 पर बंद हुआ। जबकि, निफ्टी 240.95 अंक या 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,708.40 पर बंद हुआ। आरबीआई के आगामी ब्याज दर के फैसले को लेकर निवेशकों की आशावादिता को शेयर बाजार में इस तेजी का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक (एमपीसी) 4 नवंबर को शुरू हुई और आरबीआई गवर्नर शक्ति कांत दास 6 नवंबर को एमपीसी के फैसलों की घोषणा करेंगे।

कारोबार सत्र में सेंसेक्स ऊपरी स्तर पर 82,317 और निचले स्तर पर 80,467 पर पहुंचा। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार ने दिन के निचले स्तर से तेज रिकवरी का अनुभव किया और मजबूत लाभ के साथ बंद हुआ। आरबीआई द्वारा मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीद में पिछले कुछ दिनों से एफआईआई द्वारा भारत की ओर सकारात्मक रुख ने बाजार की

धारणा को मजबूत किया। व्यापक बाजार सूचकांकों में बढ़ती अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों के विश्वास ने सूचकांक को सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार करने के लिए प्रेरित किया। निफ्टी मिडकैप-100 इंडेक्स 329.15 अंक या 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,441.55 पर बंद हुआ। जबकि, निफ्टी स्मॉलकैप-100 इंडेक्स 160 अंक या 0.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,333.55 पर बंद हुआ। सेक्टोरल फ्रंट पर आईटी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक हरे निशान में बंद हुए। पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, टाइटन, इंफोसिस, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर्स रहे। वहीं, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और इंडसइंड बैंक टॉप लूजर्स रहे। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा, ₹रुपये में सकारात्मक रुख रहा और यह 0.06 की बढ़त के साथ 84.70 के करीब बंद हुआ। इसे सेकेंडरी मार्केट में मजबूती का समर्थन मिला, क्योंकि इंडेक्स में करीब 1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। उन्होंने कहा, बाजार सहभागियों को उम्मीद है कि शुक्रवार की आरबीआई पॉलिसी कुछ सकारात्मक संकेत देगी। हालांकि, ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। लेकिन, भविष्य में ब्याज दरों में कटौती या लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए सीआरआर में कमी का कोई संकेत बाजार और रुपये दोनों को महत्वपूर्ण समर्थन दे सकता है।

रोचक तथ्यों का करंट

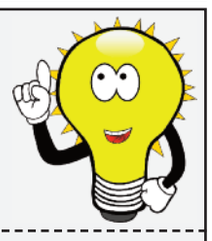

- 1992 के क्रिकेट विश्वकप में इंग्लैंड को हराते हुए जिम्बाब्वे ने बड़ा उल्टफेर कर दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने सिर्फ 134 रन बनाए और इंग्लैंड का काम आसान कर दिया लेकिन हुआ ऐसा नही, इंग्लैंड की टीम 125 रन पर ही ढेर हो गई।
- 269 मीटर की ऊँचाई वाले टाइटैनिक को अगर सीधा खड़ा कर दिया जाए तो यह अपने समय की हर इमारत से ऊँचा होता।
- टाइटैनिक की चिमनिया इतनी बड़ी थी कि इनमें से दो ट्रेने गुजर सकती थी ।
- सिगरेट लाइटर की खोज माचिस से पहले हुई थी।
- हमारे ऊँगलीयों के निशानों की तरह हमारी जुबान के भी निशान भिन्न होते है।
- सपने में आने वाले हर एक ाी को हमने एक बार जरूर देखा होता है।
- आईसलैंड में पालतू कुत्ता रखना कानून के विरूद्ध है।
- वेटिकनसिटी दुनिया का सबसे छोटा देश है इसका क्षेत्रफल 0.2 वर्ग मील है और इसकी आबादी लगभग 770 है. इनमें से कोई भी इसका परमानेंट नागरिक नही है।

SPECIAL WISHES

दैनिक करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रवि तथा आकांशा के सुपुत्र उज्वल के प्रथम जन्मदिन पर उमेश कुमार तथा उनके पूरे परिवार ने अपना स्नेह प्यार दिखाया। लाडले उज्वल के हैप्पी बर्थडे पर उसके लिए हर खुशी सर्व मंगल को कल्याण की स्पेशल कामना की।

करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

06 12 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

रविन्द्र जडेजा
क्रिकेटर

आदित्य

गवांश

यश भारद्वाज

कमल सेखरी
(वरिष्ठ पत्रकार)

नेहा शर्मा

इन्दु शर्मा

अकांक्षा त्यागी

प्रियंका प्रियदर्शनी

मिताली

अहमद

राकेश चतुर्वेदी

विनीत सुदेश चौधरी

राजेश पांडे

अशोक तेवतिया

कृष्ण कुमार

महेंद्र भाटी

विकास गुर्जर

ओमवीर बंसल

जयनंद शर्मा

सचिन कुमार खारी

विनोद भटनागर

अजय शर्मा

सोनू राघवेन्द्र राय

अशोक कुमार

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

राशिफल

मेष: खुशियों से भरा दिन अच्छा है। आपको अपनी दिनचर्या से थोड़ा ब्रेक लेकर आज दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने की जरूरत है।

वृष: आज का दिन आपके लिए बहुत ही शानदार रहेगा। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दफ्तर में बॉस आपसे काफी प्रभावित रहेंगे।

मिथुन: आज का दिन मनोरंजन का है, लेकिन मेहनत भी खूब रहेगी। कार्यक्षेत्र में सभी बात गंभीरता से सुनेंगे। जीवन में एक बड़ा परिवर्तन होने वाला है।

कर्क: ऊर्जा को व्यक्तित्व-विकास के कार्यों में लगाएं ताकि बेहतर बन सकें। जल्दबाजी में निवेश न करें सभी संभावित कोणों से जांच नहीं करेंगे तो नुकसान होगा।

सिंह: आज दिन सामान्य रहेगा। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। किसी को अपनी राय तभी दें जब बहुत जरूरी हो।

कन्या: आज वाहन सावधानी से चलाएं और हर स्थिति में विनम्र बने रहें। नौकरी और व्यवसाय के क्षेत्र में स्थिति अनुकूल रहेगी। आपको धन लाभ हो सकता है।

तुला: नए समझौते फायदेमंद नजर आ सकते हैं, लेकिन उनसे अपेक्षित फायदा नहीं होगा। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए बहुत ही शानदार रहेगा। आज की यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। आपका व्यवहार दूसरों को प्रभावित कर सकता है।

धनु: दिन की शुरूआत में आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अपने प्रिय से गोपनीय बातें शेयर करने का सही समय है।

मकर: जीवन का भरपूर आनंद लेने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रण में रखें। योग का सहारा लें, जो मानसिक रूप से दिल और दिमाग को बेहतर बनाता है।

कुंभ: आज दिन फेवरिट रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। बड़ा फायदा हो सकता है। किसी अनुभवी व्यक्ति के सहयोग से धन लाभ होगा।

मीन: लंबे समय से चली आ रही उलझन आज खत्म होगी और मायूसी भी खत्म होगी. लोग आपसे सलाह ले सकते हैं। जीवनसाथी का मूड ठीक रहेगा।

चुटकुले

मंटू- भाई मुझे हाथ देखना आता है।
चिंटू- अच्छा मेरा देख जरा।
मंटू- तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है।
चंटू- ठीक कहा आपने, मेरे घर के नीचे बैंक की ब्रांच है।

राहुल- तुम परेशान लग रहे हो, क्या हुआ ?
मोहन- जो मेरी एक इच्छा पूरी करेगा उसे मैं 1 लाख रुपये दूंगा।
राहुल- जल्दी अपनी इच्छा बताओ।
मोहन- मुझे 2 लाख रुपये चाहिए।
राहुल भौंचक्का।

बच्चा - मम्मा क्या मैं भगवान की तरह दिखता हूं ?
मम्मी - नहीं , पर तुम ऐसा क्यों पूछ रहे हो बेटा
बच्चा - क्योंकि मम्मा मैं कहीं भी जाता हूं तो सब यही कहते हैं कि हे भगवान फिर आ गया।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ाजी एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

कप्तान भुवनेश्वर की हैट्रिक से उत्तर प्रदेश को मिली जीत

मुंबई, 5 दिसंबर। कप्तान भुवनवेश्वर कुमार की हैट्रिक की बदौलत गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप सी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने झारखंड को 10 रनों से शिकस्त दे दी। यह सात मैचों में उत्तर प्रदेश की पांचवीं जीत है, जबकि झारखंड की यह सात मैचों में दूसरी हार है। उत्तर प्रदेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 160 रन बनाए। इसमें रिंकू सिंह, प्रियम गर्ग और समीर रजिवी का अहम योगदान रहा। रिंकू ने 28 गेंद में 45 रन बनाए, जिसमें आठ चौके शामिल थे। इसके अलावा गर्ग ने 25 गेंद में 31 रन बनाए, जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं रिजवी ने 19 गेंद में एक छक्के की मदद से 24 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी

करने उतरी झारखंड की टीम ने तीन विकेट सस्ते में गंवा दिए। अनुकूल रॉय ने 91 रनों की पारी खेली, जब तक वह क्रीज पर थे तब तक लग रहा था कि यहां से झारखंड यह मैच निकाल कर ले जाएगा। मोहसिन खान ने जब उनको आउट किया तब भी झारखंड मैच में बना हुआ था।

16वें ओवर में झारखंड की टीम ने 116 रन बना लिए थे और आक्रामक बल्लेबाज अनुकूल और रॉबिन मिंज क्रीज पर थे। लेकिन 17वें ओवर में भुवनेश्वर ने पहले मिंज को आउट किया और झारखंड की मुश्किलें बढ़ा दी। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उन्होंने अगली दो गेंद पर बालाकृष्णाऔर विवेकानंद तिवारी को आउट कर हैट्रिक पूरी की और झारखंड को मैच से पूरी तरह से बाहर कर दिया। भुवनेश्वर ने चार ओवर में एक मेडन करते हुए केवल छह रन दिए और हैट्रिक सहित तीन विकेट अपने नाम किए।

अगले दौर में पहुंचने के लिए यूपी के लिए यह जीत काफी जरूरी थी। ग्रुप सी में झारखंड और यूपी के अलावा जम्मू कश्मीर की टीम के पास अब 20 अंक तक पहुंचने का मौका है। अगर यूपी की टीम ने इस मैच को नहीं जीता होता तो वह नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो जाती लेकिन अब मामला नेट रन रेट पर आएगा।

हाल ही में आईपीएल 2025 के ऑक्शन में भुवनेश्वर कुमार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। इससे पहले भुवनेश्वर 2014 से 2024 तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले थे।

पहला महिला वनडे: मेगन शट्ट के पांच विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5 विकेट से हराया

ब्रिस्बेन, 5 दिसंबर। तेज गेंदबाज मेगन शट्ट ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5/19 का प्रदर्शन किया और भारत के शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए गुरुवार को एलन बॉर्डर फील्ड में वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की पांच विकेट से जीत का आधार तैयार किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप कभी लय में नहीं आ पाई, जिसका श्रेय शट्ट और अन्य को जाता है जिन्होंने उन्हें सांस लेने का मौका नहीं दिया और वे 100 रन पर आउट हो गए, जो 2012 के बाद से वनडे में उनका सबसे कम स्कोर है।जवाब में, डेब्यू करने वाली बल्लेबाज जॉर्जिया वोल ने 42 गेंदों पर नाबाद 46 रन बनाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया, हालांकि इस प्रक्रिया में उसने पांच विकेट खो दिए और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

मेगन ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रिया पुनिया को आउट करके शुरूआत की, इससे पहले हरलीन दयोल (19) एश्ले गार्डनर का शिकार बनीं। हरमनप्रीत कौर (17) को एनाबेल सदरलैंड द्वारा एलबीडब्ल्यू आउट किए जाने के बाद, भारत के सम्मानजनक स्कोर बनाने के प्रयासों को जेमिमा रोड्रिग्स को किम गार्थ द्वारा आउट किए जाने से झटका लगा।

इसके बाद, भारत ने अपने आखिरी छह विकेट सिर्फ 11 रन पर गंवा दिए और 34.2 ओवर में टीम सिर्फ 100 रन पर आउट हो गई। 101 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए जॉर्जिया और फोबे लिचफील्ड (35) ने 48 रन की साझेदारी करके मेजबान टीम को ठोस शुरूआत दी। जब रन का पीछा करना आसान लग रहा था, रेणुका सिंह ठाकुर ने तीन विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया को 52/3 पर ला दिया। युवा लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने अगले ओवरों में एनाबेल और एश्ले को पवेलियन भेजकर हरमनप्रीत की टीम के लिए खेल में कुछ जान फूंकी। लेकिन युवा जॉर्जिया की संयमित और मैच जिताऊ 46 रनों की पारी ने ऑस्ट्रेलिया को 17वें ओवर में जीत दिला दी।

गुरुवार की जीत के साथ, ऑस्ट्रेलिया 30 अंकों के साथ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि भारत 25 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। दूसरा वनडे रविवार को उसी स्थान पर होगा।

बुमराह आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामांकित

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मार्को जेनसन और हारिस राउफ को खेल के विभिन्न प्रारूपों में उनके विकेट लेने के कारनामों के लिए नवंबर 2024 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह को पर्थ में पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 295 रनों की जीत में शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ विकेट लेने के लिए नामांकित किया गया है, जहां उन्होंने रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में स्टैंड-इन कप्तान की भूमिका भी निभाई थी। उनका लक्ष्य अपना दूसरा आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड जीतना है।

पहली पारी में 5-30 के उनके शानदार प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि भारत 46 रनों की बढ़त ले। इसके बाद बुमराह ने दूसरी पारी में 3-42 विकेट चटकाए और भारत के लिए एक अविस्मरणीय जीत सुनिश्चित की, और अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को जीवित रखा।

दूसरी ओर, जेनसन अप्रैल 2022 में केशव महाराज के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी बनने की दौड़ में हैं, जो टी20 और टेस्ट में प्रोटियाज की सफलता की बदौलत है। विकेट लेने के अलावा, जेनसन ने सिर्फ 17 गेंदों पर 54 रनों की तूफानी पारी खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा, हालांकि यह दक्षिण अफ्रीका के लिए सेंचुरियन में एक संकीर्ण हार से बचने के लिए पर्याप्त नहीं था।

टेस्ट के मैदान में जेनसन की वापसी पर बेहतर परिणाम सामने आए, जहां उन्होंने मैच में 11 विकेट लेने के लिए श्रीलंका की लाइन-अप को ध्वस्त कर दिया, जिसमें पहली पारी में 7-13 विकेट शामिल थे - टेस्ट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सिर्फ 41 गेंदों में आया, जिससे दक्षिण अफ्रीका के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्रवेश करने की संभावना बढ़ गई।

इस बीच, राउफ ने पाकिस्तान के लिए छह वनडे और तीन टी20 मैच खेलते हुए अपने बेहतरीन फॉर्म में वापसी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरूआत मेलबर्न में तीन विकेट लेकर की और सीरीज में बराबरी के लिए अहम पांच विकेट लेकर एक नया रिकॉर्ड बनाया।

क्रुणाल पांड्या की टीम ने टी20 में 349 रन बनाकर रचा नया कीर्तिमान

इंदौर, 5 दिसंबर। बड़ौदा की टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सिक्किम के खिलाफ 349 रनों का विशाल स्कोर बनाते हुए टी20 के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस पारी के साथ, बड़ौदा ने ज़िम्बाब्वे के 344 रनों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए टी20 में सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाने का नया रिकॉर्ड बना लिया है। बड़ौदा ने सिक्किम को सात विकेट पर 86 रन पर रोककर 263 रन से यह मैच जीता।

क्रुणाल पांड्या की कप्तानी वाली बड़ौदा की टीम ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए शानदार बल्लेबाजी की। भानु पनिया ने सबसे ज्यादा 51 गेंदों पर नाबाद 134 रन बनाए। इसके अलावा शिवालिक शर्मा (17 गेंदों में 53 रन), अभिमन्यु सिंह (17 गेंदों में 55 रन), और विष्णु सोलंकी (16 गेंदों में 50 रन) ने तेज अर्धशतक लगाए।

इस मैच में छक्कों का भी नया रिकॉर्ड बना। बड़ौदा ने अपनी पारी में

37 छक्के लगाए, जो टी20 इतिहास में किसी एक पारी में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ज़िम्बाब्वे के नाम था, जिसने गाम्बिया के खिलाफ 27 छक्के मारे थे।

कुल 37 छक्के किसी मैच की दोनों पारियों में मिलाकर पांचवें सबसे बड़े आंकड़े हैं। अगर सिक्किम अपनी पारी में 6 छक्के लगा लेता , तो यह टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का नया रिकॉर्ड बन जाता।

बड़ौदा के इस प्रदर्शन के बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी में नॉकआउट की रेस और भी दिलचस्प हो गई है। बड़ौदा इस ग्रुप में 24 अंकों के साथ शीर्ष पर आ गया है, गुजरात भी 24 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि सौराष्ट्र 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसके पास एक मैच बचा हुआ है।

कलिंगा लांसर्स ने 43 वर्षीय वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया

भुवनेश्वर, 5 दिसंबर। कलिंगा लांसर्स ने आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन के लिए वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया है। 43 वर्षीय अल्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हॉकी में एक बेहद सम्मानित नाम हैं, जो अपने सामरिक कौशल, नेतृत्व और जर्मन राष्ट्रीय टीम के साथ वर्षों के अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

अल्टनबर्ग एक दशक से भी अधिक समय से जर्मन हॉकी में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। जर्मन हॉकी एसोसिएशन (डीएचबी) के इतिहास में सबसे कम उम्र के सीनियर पुरुष कोच के रूप में, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में जर्मन पुरुष टीम को कांस्य पदक दिलाया और टीम को प्रमुख टूर्नामेंटों में मजबूत प्रदर्शन के लिए निर्देशित किया, जिसमें 2019 और 2021 में यूरोपीय चैंपियनशिप में रजत पदक और 2023 में कांस्य पदक शामिल हैं। अपनी ओलंपिक

उपलब्धियों के अलावा, अल्टनबर्ग ने पुरुष और महिला दोनों टीमों का प्रबंधन किया है, जिससे उनकी भूमिका में बहुमुखी प्रतिभा और खेल की व्यापक समझ आई है।

मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, अल्टनबर्ग ने कहा: ₹मैंने हमेशा भारतीय हॉकी की प्रशंसा की है, और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं वेदांत कलिंगा लांसर्स का आभारी हूं। हमारे पास टीम में युवा और अनुभवी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का एक स्वस्थ मिश्रण है, और मैं एथलीटों और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं शुरूआत करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।₹

कलिंगा लांसर्स के रणनीति निदेशक डेविड जॉन ने कहा, ₹मैं वैलेंटिन के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों के साथ काम किया है और उच्चतम स्तर पर कोचिंग की है, जिससे खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलकर आया है। उनका ओलंपिक अनुभव और कोचिंग के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण टीम के लिए बहुत मददगार साबित होगा, क्योंकि हमारा लक्ष्य पिछली बार जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरूआत करना है।

कमिंस ने टीम में दरार की अफवाहों पर कहा, 'कुछ कमेंटेटरों ने 100 प्रतिशत गलत अनुमान लगाया'

डिलेड, 5 दिसंबर। भारत के खिलाफ एडिलेड ओवल में दूसरे टेस्ट से पहले, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में दरार की अटकलों पर पलटवार करते हुए कहा कि कुछ कमेंटेटरों ने 100 प्रतिशत गलत अनुमान लगाया और इसे सुर्खियां बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

यह विवाद भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में मेजबान टीम के लिए तीसरे दिन के खेल के बाद जोश हेजलवुड की टिप्पणियों से उपजा है। जब हेजलवुड से पूछा गया कि ऑस्ट्रेलिया चौथे दिन कैसे खेलेगा, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, आपको शायद बल्लेबाजों में से किसी एक से यह सवाल पूछना चाहिए। मैं आराम कर रहा हूं और थोड़ा फिजियो और थोड़ा उपचार लेने की कोशिश कर रहा हूं।

पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कमेंट्री के दौरान आग में घी डालने का काम किया, उन्होंने कहा कि हेजलवुड की टिप्पणियों ने उन्हें सुझाव दिया है कि ड्रेसिंग रूम में विभाजन की संभावना है। अफवाहों को संबोधित करते हुए, कमिंस ने टीम के भीतर एकता पर जोर दिया और इस तरह के दावों को खारिज कर दिया, कुछ कमेंटेटरों पर अनावश्यक सुर्खियां बनाने का आरोप लगाया।

पैट कमिंस ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, टीम शानदार है। कुछ कमेंटेटरों ने सौ प्रतिशत गलत अनुमान लगाया। हमने हमेशा की तरह तैयारी की। टीम के आसपास यह एक शानदार एहसास है। जब चीजें सही नहीं होती हैं, तो बहुत से कमेंटेटर होते हैं जो आपका समर्थन करते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो सुर्खियां बनाने की कोशिश करते हैं। हम उन चीजों पर ध्यान नहीं देने की कोशिश करते हैं। हम अपना ध्यान इस बात पर केंद्रित करने की कोशिश करते हैं कि हम कैसे तैयारी करते हैं, खुद को गेम जीतने का सबसे अच्छा मौका देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को हेजलवुड की चोट के कारण पिंक-बॉल टेस्ट के लिए अपने लाइनअप में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने के लिए स्कॉट बोलैंड को टीम में लाया गया है।

वह गाबा के लिए वास्तव में आश्वस्त है। उसने कल (बुधवार) तीन चौथाई (तेज) की तरह अच्छी गेंदबाजी की। यह खूबसूरती से चला गया।

यह शायद सही फैसला है। मुझे लगता है कि पिछले वर्षों में, हम सिर्फ गेंदबाजी करते रहे (उसे)। इसने शायद उस एक सप्ताह की चोट को तीन, चार या पांच सप्ताह की चोट में बदल दिया है, जबकि इस साल यह थोड़ा अलग लग रहा है।

कमिंस ने कहा, पारंपरिक रूप से यहां थोड़ी ठंडक होती है, जो जाहिर तौर पर स्कॉटी के लिए काफी अनुकूल है। पिछली गर्मियों में वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार था और कोई भी खिलाड़ी नहीं गिरा।

'आप इससे बुरा कुछ नहीं कर सकते': रवि शास्त्री

एडिलेड, 5 दिसंबर। जब 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड में भारत 36 रन पर आउट हो गया था, तब तत्कालीन मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अपनी टीम को एक संदेश दिया था, जिसने क्रिकेट इतिहास में सबसे शानदार वापसी की नींव रखी। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में अपने खिलाड़ियों से कहा, आप इससे बुरा कुछ नहीं कर सकते।

एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेला गया टेस्ट मैच बराबरी पर लग रहा था, लेकिन भारत की दूसरी पारी नाटकीय अंदाज में खत्म हो गई। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने बेहतरीन गेंदबाजी परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए मेहमान टीम को उनके अब तक के सबसे कम टेस्ट स्कोर - सिर्फ 36 रन पर समेट दिया।

शास्त्री ने उस दिन को याद करते हुए कहा, मैंने अपने जीवन में इतना खेलते हुए कभी नहीं देखा था। अगर आप खेलते हुए चूक जाते, तो आप आउट हो जाते। कोई खेल और चूक नहीं होती। यह असाधारण था। परिणाम ने भारत को अपमानित किया, पंडितों और प्रशंसकों ने श्रृंखला के शेष भाग के लिए उनके अवसरों को खत्म कर दिया।

पतन के बाद, शास्त्री ने घबराने का विकल्प नहीं चुना। इसके बजाय, उन्होंने संयम पर जोर दिया। टीम को संदेश सरल था: गलतियां होती हैं, लेकिन आप कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, यह आपको परिभाषित करता है।

शास्त्री ने समझाया, घुटने टेकने वाली प्रतिक्रियाओं की कोई आवश्यकता नहीं थी। हमें पता था कि उस सत्र में किस्मत हमारे पक्ष में नहीं थी। महत्वपूर्ण बात यह थी कि हम अपनी प्रक्रियाओं पर भरोसा करें और वापसी करें।

भारत की प्रतिक्रिया मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में अगले ही टेस्ट में आई। कप्तान विराट कोहली के पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौटने के बाद, अजिंक्य रहाणे ने शानदार प्रदर्शन किया। रहाणे के शानदार शतक की बदौलत भारत ने शानदार जीत दर्ज की, जिससे सीरीज बराबर हो गई और टीम की दृढ़ता साबित हुई।

जसप्रीत बुमराह और डेब्यू करने वाले मोहम्मद सिराज की अगुआई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत के वापसी करने के दृढ़ संकल्प का संकेत मिला।

सिडनी में तीसरे टेस्ट में भारत की दृढ़ता और संकल्प का प्रदर्शन देखने को मिला। ऋषभ पंत के 97 रनों की जवाबी पारी के बाद भारत को उम्मीद जगी, हनुमा विहारी और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी ने दर्द के बावजूद शानदार बल्लेबाजी करते हुए यादगार ड्रॉ हासिल किया।

एडिलेड टेस्ट में राहुल-जायसवाल ही ओपनिंग करेंगे : रोहित शर्मा

एडिलेड, 5 दिसंबर। पर्थ में पहला टेस्ट जीतने के बाद अब टीम इंडिया का काफिला एडिलेड पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है और अब सब की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी के साथ टीम इंडिया और अधिक मजबूत हो गई है, लेकिन एक नया टीम कॉम्बिनेशन तैयार करना कोच गौतम गंभीर के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की सराहना करने हुए कहा कि एडिलेड में भी हमारी ओपनिंग जोड़ी यही होगी।

शुक्रवार से एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे गुलाबी गेंद टेस्ट में पारी की शुरूआत

इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही रहेगी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में राहुल और जायसवाल ने टीम की जीत की नींव रखी थी।

रोहित ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, केएल (एडिलेड में) ओपनिंग करेंगे। जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है, वह इसके हकदार हैं। मैं मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा।

यह काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से, यह आसान नहीं था (बल्लेबाज के तौर पर) लेकिन टीम के लिए यह एक आसान निर्णय था।

पारिवारिक कारणों के चलते रोहित शर्मा पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। उनकी अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की अगुवाई की जबकि नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। रोहित एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट में बतौर ओपनर अपने नियमित स्थान पर नहीं खेलेंगे। पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार के बाद उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी सवालों के घेरे में आ गई थी।

पिछली छह पारियों में उन्होंने एक अर्धशतक सहित केवल 93 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 15.16 रहा जो तीन या उससे ज्यादा टेस्ट मैच की सीरीज में उनका सबसे खराब औसत है।

डीडी यादव की सुपुत्री खुशी यादव का शुभ विवाह धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा नेता डीडी यादव की सुपुत्री खुशी यादव का शुभ विवाह दीप यादव के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर वर वधु को आशीर्वाद देने के लिए समाज के गणमान्य लोग पहुंचे।

अध्यक्षी का है कौन दावेदार जिसने खरीदा है 75 हजार का उपहार

सरकार वालों में इन दिनो हर उपकार के बदले उपहार का जिक्र जरूर होने लगा हैं। फूल वाले बताते हैं कि पहले तो ऐसा नही था और अब हो रहा है तो कहीं तो कुछ आग है जो ये धुंआ उठ रहा है। उपचुनाव तो हो चुके और सीजन अब सगंठन के चुनाव का चल रहा है। फूल वाले ही बता रहे हैं कि पश्चिम के एक जिले के नेता जी की तमन्ना अध्यक्ष वाली कुर्सी पर विराजमान होने की है। इस तमन्ना को पूरा करने के लिये वो सारे पापड़ बेल रहे हैं और गिफ्टम गिफ्टा खेल रहे हैं। उन्हे पता चला कि वो घड़ी अगले हफ्ते आ रही है जब उपहार के बदले उपकार का सीन बन सकता है। सुना है कि अध्यक्ष पद की हसरत पाल कर बैठे प्रबल दावेदार नेता जी ने नोएडा के सैक्टर 18 वाले शोरूम से 75 हजार रूपये कीमत की घड़ी खरीदी। ये घड़ी उन्होने सगंठन के एक बड़े फेस की पत्नी को गिफ्ट करने के लिये खरीदी है। दरअसल अगले हफ्ते सगंठन के एक बड़े पदाधिकारी की मैरिज एनीवर्सरी है तो उस मौके पर गिफ्ट का ये चौका लगेगा। लेकिन पूरे सीन को वॉच करने वालों ने बताया कि नेता जी ने खुद अपने लिये भी सवा लाख रूपये की रिस्ट वाच खरीदी है। बताने वाले बता रहे हैं कि हो सकता है कि ये कोई टाईम टोटका हो और टाइम सेट करने ही घड़ी देनी हो। हो सकता है एक घड़ी मैडम को गिफ्ट करनी हो और एक घड़ी खुद अपनी कलाई पर बांधनी हो।

वो बोले देखकर प्रभारी उनकी हैं उस पार से चुनाव की तैयारी

भगवा गढ़ के सियासी माहौल में ये कहा जा सकता है कि इट हैप्पन ओनली इन जिला गाजियाबाद। जो दो बार शहर विधायक रहें उन्होने दोनो बार खुद अपने को ही वोट नही दी। जो अबकी बार लड़े वोट उन्होने भी नही दी। उपचुनाव हुया तो मुरानगर विधानसभा वालें चुनाव संयोजक बने और लाईनपार वालों का रहनुमा बनने के लिये नदियापार से उम्मीदवार आया। वाहन प्रमुख से लेकर कार्यक्रम प्रमुख तक दूसरी विधानसभा के थे। फूल खिला और कम मतदान के बाद भी बड़े जनादेश से खिला। मगर अब सब पूछ ये रहे हैं कि अगर वो विधायक इस पार के हैं तो उनका स्वागत उस पार क्यों हो रहा है। मडंलो के प्रभारी वाली बात पर उन्होने चोटी वालों के साथ मोटी चर्चा कर ली। पता चला कि उनकी चुनावी नैया को इस पार वालों ने किनारे लगाया मगर वो उस पार पर फोकस कर रहे हैं। मडंल प्रभारी वाले सीन में यहीं नजर आ रहा है। पहले अपने चेहरों को नदी पार सेट करलिया गया है। उसके बाद बचे हुये चेहरों को मुरादनगर पर सेट करना है सूत्र बताते हैं कि नदियापार में वो पूरा नेटवर्क सेट कर रहे हैं और 2027 का चक्रव्यूह तैयार कर रहे हैं। बताया गया कि प्रभारी तो सेट ही 2027 की तैयारी के हिसाब से हो रहे हैं। उनका मन रम तो वही रहा है भले ही रमते राम रोड़ वालो ने उन्हे ही वोट दिया हो।

पार्षद की फिसल गई जुबान जब विधायक को बता दिया पार्षद

नदियापार के एक पार्षद हैं जिनमें कोटी कोटी की खूबियां मौजूद हैं ,उनका स्वभाव जरूर कड़ा हैं। शहर से चुनाव जीतने के बाद शहर विधायक संजीव शर्मा जब इंदिरापुरम में अपने स्वागत कार्यक्रम में पहुंचे तो माईक कड़ाकोटी के हाथ में था। ये भी अपनापन ही है और कमांडर की अपनी टीआरपी है कि जीतो इस विधानसभा से और चीफ गेस्ट बन जाओ दूसरी विधानसभा के। यहां जब पार्षद ने माईक संभाला और कहा कि हम नव निर्वाचित पार्षद जी का स्वागत करते हैं तभी उन्हे गलती का एहसास हुया और उन्होने मिस्टेक को सुधारते हुये कहा कि नव निर्वाचित विधायक कहा। मगर जो तीर जुबान से निकल गया वो निकल गया और उसे वापिस नही लिया जा सकता।

होने वाली है कई टू-स्टार पर कृपा

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम वाले सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में लंबे समय से परेशान और जांच में घिरे टू-स्टारों पर कृपा होने वाली है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के सूत्रों से जानकारी मिली है कि कमिश्नरेट के लगभग आधा दर्जन ऐसे टू-स्टार हैं जिन पर जल्द ही कृपा होने वाली है। वह या तो लाइन से बाहर आ जाएंगे या उनपर जो जांच थी वह खत्म हो जाएगी। बताया जा रहा है कि कमिश्नरेट से जाने वाले एक टू-स्टार ने अपना काम करवा भी लिया है।

इस मामले में उनको जो उनके जोन वाले साहब लोगों ने सजा दी थी उसपर जल्द ही माफी मिल सकती है। इसके साथ ही सुनने में यह भी आ रहा है कि कई टू- स्टारों पर चौकी वाली कृपा भी हो सकती है। बताया जा रहा है कि देहात से लेकर सिटी और नदिया पार में कुछ ऐसी चौकी है, जहां पर चार्ज पर टू- स्टार नहीं हैं। उनके लिए नए नाम दिए जा सकते हैं। वही कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं की डीसीपी स्तर से इसपर काम किया जा चुका है। जल्द ही उनके नाम आउट होने की संभावना बनी हुई है। वही कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र यह भी जानकारी दे रहे हैं कि कमिश्नरेट सिस्टम से बाहर तबादला होने वाले कई टू- स्टार यहां से निकलने के लिए लेटर से लेकर अपना मैटर सेट करने में लगे हुए हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम वाले सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले रविवार के बाद कुछ पर कृपा की जानकारी आउट होगी। इन सबके बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जैसे ही मौसम में सर्दी और बढ़ती है और कोहरा गिरना शुरू होता है, तो टू-स्टार के लिए नई सर दर्द बढ़ेगा। रात में होने वाली चोरियों पर पुलिस को सख्ती बरतनी होगी और वारदातों को नाकाम करना होगा वरना अधिकारियों की लाल कलम चल सकती है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि नदिया पार में एक टू-स्टार जिसे अभी हाल ही में थाने का प्रभार मिला है, वह बहुत आराम आराम से कदम रख रहे हैं। अभी वह अपने साहब लोगों को समझाने का काम कर रहे हैं। वैसे बताया जा रहा है कि वह जिस मिजाज के थे, अगर यहां लंबी पारी खेली है, तो उनको अपने हालात और जज्बात बदलने होंगे।

गाजियाबाद में शातिर मां- बेटा गिरफ्तार बहु - ससुर को भी तलाश रही पुलिस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुरानी कहावत है, बुरे करम का बुरा नतीजा, यह कहावत गाजियाबाद में आज फिर सच साबित हुई। पांच साल से एक लाचार, बुजुर्ग और विधवा को परेशान करने वाले शातिर मां- बेटे को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इतना ही नहीं पुलिस इस मामले के दो अन्य अभियुक्तों बहु और ससुर को भी तलाश रही है। यह शातिर परिवार दिल्ली के कीर्ति नगर थानाक्षेत्र में मानसरोवर गार्डन इलाके का रहने वाला है।

गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ हापुड़ की नगर कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज है। कौशांबी में राधा कृष्ण लेन पर भूखंड संख्या बी-56 में भूतल का फ्लैट सरलेश नाम विधवा महिला का है। महिला को कोई बेटा भी नहीं है। सरलेश की ओर से 24 नवंबर को कौशांबी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया कि दिल्ली के मानसरोवर गार्डन इलाके में रहने में रहने वाले सौरभ मोंगा, उसके पिता विजय मोंगा, नेहा मोंगा और पत्नी वेदिता सचदेवा ने मिलकर उनके फ्लैट पर किराए पर लेने के बहाने कब्जा कर लिया। विधवा अपनी बेटी के साथ फ्लैट पर पहुंची तो मां-बेटी को मारपीट कर भगा दिया।

डूडा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं को लेकर डीएम, नगर आयुक्त ने की बैठक

जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से कार्यवाही करने के दिये निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में शासी निकाय बैठक का आयोजन हुआ बैठक में डूडा विभाग संबंधित योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा हुई, बैठक में नगर आयुक्त गाजियाबाद विक्रमादित्य सिंह मलिक भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग अधिकारी व डूडा विभाग के अधिकारियों की कार्यवाही रिपोर्ट पर चर्चा की गई, एडीएम रणविजय सिंह भी बैठक में उपस्थित रहे।

गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में माननीय मुख्यमंत्री जी अल्प विकसित / मलिन बस्ती विकास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आईएचएसडीपी योजना सुदामापुरी अर्थला व फरीदनगर पर चल रहे कार्यों के बारे में प्रगति को जाना गया इसके अलावा गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र के पांच आश्रय स्थलों के हस्तांतरण लेने एवं उनके संचालन पर भी कार्य योजना बनाई, लाभार्थियों को समय से उनका लाभ पहुंचे उपस्थित डूडा विभाग व अन्य नगर पालिका नगर निकाय के अधिकारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए।

लाभार्थियों से संपर्क कर योजनाओं के लाभ को सुनिश्चित करें अधिकारी- डीएम

ऐसी योजनाएं जिम अंशदान की धनराशि लाभार्थियों तक पहुंचनी है तथा ऐसी योजनाएं लाभार्थियों तक निर्धारित लोन की धनराशि पहुंचनी है तथा ऐसी योजनाएं जिसमें लाभार्थियों को आवास हेतु धनराशि पहुंचनी है मौके पर अधिकारियों की टीम लाभार्थियों से समन्वय करें निर्देश दिए गए इसी के साथ-साथ कार्य दायि संस्थाओं के द्वारा मलिन बस्तियों में हो रहे कार्यों को भी मॉनिटरिंग करने के लिए विभाग को कहा गया, 10 दिन के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी आदेशित किया गया।

योजना अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति हेतु कार्यदायी संस्थाओं से मासिक बैठक अनिवार्य रूप से करें विभाग- नगर आयुक्त

आयोजित बैठक में नगर आयुक्त द्वारा समस्त विभागों की संयुक्त बैठक मासिक स्तर पर करने के लिए कहा गया, तथा कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए गए जिन योजनाओं में गाजियाबाद नगर निगम को क्षेत्र हस्तांतरित नहीं है उन पर तेजी से कार्य करते हुए हैंडोवर की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए जिसमें सुदामापुरी व अर्थला क्षेत्र अंतर्गत आईएचएसडीपी योजना को धरातल पर सफल बनाने के लिए कहा गया जिसमें हैंडोवर के उपरांत अवस्थापना सुविधा मुहैया करने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया' बैठक में नगर पालिका तथा नगर निकाय के अधिकारी व टीम उपस्थित रही पी ओ डूडा संजय पथरिया द्वारा सभी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी बैठक में रखी गई।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समरकूल चैयरमैन संजीव गुप्ता के प्रिय भतीजे और समरकूल होम एप्लायंस लिमिटेड के डायरेक्टर राजीव गुप्ता के सुपुत्र तनुज गुप्ता के जन्मदिन पर सभी ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी। उनकी लंबी आयु उत्तम स्वास्थ और यशस्वी जीवन की कामना की। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

इस्राइली हमले में 47 लोगों की मौत

आईडीएफ ने लगातार पांचवे दिन अदवान अस्पताल पर किया हमला

काहिरा। हमास और इस्राइल के बीच बीते साल सात अक्तूबर को शुरू हुई जंग के थमने के आसार हाल फिलहाल नजर नहीं आ रहे। अहर खत्म होते दिन के साथ यह जंग और बढ़ती ही जा रही है। इस्राइल ने हमास को जड़ से नेस्तनाबूद करने की कसम खाई है, इसकाखामियाजा गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। यह शहर मलबों के ढेर में तब्दील हो गया है। वहीं, हमास भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इस बीच, इस्राइली सेना ने बताया कि गाजा पट्टी के खान यूनिस क्षेत्र के उत्तरी हिस्सों में बुधवार को इस्राइली हवाई हमले में 47 लोगों की मौत हो गई।

फलस्तीनी के स्वास्थ्य विभाग ने भी इस बारे में जानकारी दी। फलस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि हमला रिहायशी इलाकों में किया गया। हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं। फिलहाल इस्राइल की सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक हुसाम अबू सफिया ने बताया कि इस्राइली सेना ने लगातार पांचवें दिन उत्तरी गाजा के बेत लाहिया स्थित कमाल अदवान अस्पताल पर हमला किया। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात को उनके तीन चिकित्सा कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अबू सफिया ने कहा, इस्राइल ने ड्रोन से बम बरसाए हैं, जिससे कई लोग घायल भी हुए हैं। स्थिति अत्यंत गंभीर है।

इससे पहले, इस्राइली सेना ने मंगलवार को दावा किया था कि उसने हमास के तीन सदस्यों को मार गिराया है। इस्राइली सेना ने कहा कि कब्जे वाले वेस्ट बैंक शहर तुबास के पास हमारी वायुसेना ने वाहनों पर हमला किया था। इस हमले में हमास के तीन सदस्य मारे गए, जिन्होंने पहले से ही एक आतंकवादी हमले की योजना बनाई थी। सैनिकों ने हमले के आसपास के क्षेत्र में एक लक्ष्य बनाकर निशाना साधा। इसमें चार हथियारों का पता लगाया।'

गौरतलब है कि 7 अक्तूबर को हमास ने इस्राइल पर एक आतंकी हमला किया था, जिससे एक नए युद्ध की शुरूआत हुई। उस हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए । उनमें से लगभग 100 लोग अभी भी हमास की कैद में हैं। हालांकि कई और के मारे जाने की आशंका है।

भारत की 'मेक इन इंडिया' नीति के मुरीद हुए रूसी राष्ट्रपति पुतिन, पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की मेक इन इंडिया नीति की तारीफ की है और कहा कि मेक इन इंडिया नीति के चलते भारत में छोटे और मध्यम वर्ग के उद्योगों में स्थिरता आई है। इससे भारत की आर्थिक गति को भी मजबूती मिली है। रूसी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की और मेक इन इंडिया नीति के लिए उन्हें श्रेय दिया।

पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की

रूसी राष्ट्रपति पुतिन राजधानी मॉस्को में बुधवार को वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पुतिन ने कहा कि भारत का मेक इन इंडिया अभियान और रूस का इंपोर्ट सब्सटिट्यूशन प्रोग्राम एक जैसे ही हैं। पुतिन ने कहा कि भारत की सरकार ऐसी नीति बना रही है, जिसमें वे अपने हितों को सबसे ऊपर रख रहे हैं।

पुतिन ने भी भारत में एक विनिर्माण केंद्र स्थापित करने की बात कही। पुतिन ने कहा कि भारत सरकार अपने छोटे और मझोले उद्योगों को स्थिरता देने की कोशिश कर रही है। पुतिन ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत में निवेश करना फायदे का सौदा साबित होगा।

ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने पर फोकस

पुतिन ने ब्रिक्स देशों के बीच एसएमई (छोटे और मझोले उद्योगों) के विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने रूस के बाजार में अपनी जगह बना रहे नए रूसी ब्रांड्स को भी सराहा, जो पश्चिमी ब्रांड्स की जगह ले रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, उच्च तकनीक और कृषि क्षेत्र में रूसी सफलता की ओर इशारा किया। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि 1988 में, सोवियत संघ ने 35 अरब अमरीकी डॉलर का अनाज आयात किया, और पिछले साल, हमने 66 अरब अमरीकी डॉलर का अनाज निर्यात किया, जो काफी हद तक हमारे किसानों और उत्पादकों की योग्यता है।

चीनी हैकर्स ने अमेरिकी दूरसंचार नेटवर्क में लगाई सेंध

व्हाइट हाउस ने बताया ड्रैगन ने क्यों किया ये काम

वॉशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच की दुश्मनी से पूरी दुनिया अवगत है और शायद इस बात से भी कि चीन अपनी दुश्मनी निभाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसी बीच व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि चीनी हैकर्स ने एक हैकिंग अभियान के तहत कम से कम आठ अमेरिकी दूरसंचार प्रदाताओं के नेटवर्क में सेंध लगाई है, ताकि शीर्ष अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों की जासूसी की जा सके। इस हैकिंग का असर दुनिया के कई देशों पर पड़ा है।

उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने पत्रकारों से कहा कि फिलहाल हमें नहीं लगता कि किसी ने इन नेटवर्क से चीनी हैकर्स को पूरी तरह से हटा दिया है, इसलिए संचार में लगातार समझौता होने का जोखिम बना हुआ है।

बता दें कि न्यूबर्गर की यह टिप्पणी बाइडन प्रशासन द्वारा अब तक के सबसे बड़े सार्वजनिक बयान के रूप में आई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नहीं लगता कि हैकर्स ने किसी वगीर्कृत जानकारी तक पहुंच बनाई है।

यह बयान उस समय आया जब वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने बुधवार को सीनेटरों को चीनी हैकिंग अभियान के बारे में गोपनीय ब्रीफिंग दी। सीएनएन ने पहले रिपोर्ट किया था कि कथित चीनी हैकर्स ने राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति-चुनाव जेडी वेंस और बिडेन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के फोन संचार को निशाना बनाया। हालांकि, चीन ने इसमें शामिल होने से इनकार किया है।

हैकिंग से बाहर निकलने में लगे अधिकारी

अमेरिकी अधिकारी अभी भी प्रमुख दूरसंचार प्रदाताओं को चीनी सरकार समर्थित हैकरों को उनके नेटवर्क से बाहर निकालने में मदद करने की कोशिश कर रहे हैं ।

मार्शल लॉ के मुद्दे पर दक्षिण कोरिया में हंगामा जारी, चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई

दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने को लेकर हंगामा जारी है। अब दक्षिण कोरिया की संसद ने सरकार के चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू की है। मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी ने अन्य छोटी पार्टियों के साथ मिलकर राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया है।

चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू : मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने देश के बोर्ड ऑफ ऑडिट इंस्पेक्शन के चेयरमैन चोई जे हे और तीन शीर्ष सरकारी अभियोजकों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू की है। इन चारों को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है और महाभियोग प्रस्ताव पर फैसला आने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया है। आरोप है कि इन अधिकारियों ने विपक्ष पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया, जिसके चलते राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने का फैसला किया।

रक्षा मंत्री को पद से हटाया गौरतलब है कि राष्ट्रपति योल ने अपने रक्षा मंत्री को पद से हटा दिया है ।

फ्रांस की राजनीति पर छाए संकट के बादल, विश्वास मत में हार गई पीएम मिशेल बार्नियर की सरकार

पेरिस। फ्रांस से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां फ्रांस के प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार फ्रांसीसी नेशनल असेंबली में विश्वास मत हार गई। देखा जाए तो विश्वास मत में हार के बाद दो तरह की चिंताएं फ्रांस के लिए बढ़ गई है। एक तो ये कि मिशेल बार्नियर सरकार की राजनीति पर इसका कैसा असर रहेगा तो दूसरी ओर देश की बजट की चिंता भी बढ़ गई।

फ्रांस की राजनीति पर संकट

अविश्वास मत में हार को लेकर जारी रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी संसद के 577 सीटों वाले निचले सदन में 331 सदस्यों ने बार्नियर की अल्पसंख्यक सरकार को हटाने के लिए मतदान किया, जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी, जबकि फ्रांस बढ़ते बजट घाटे का सामना कर रहा है। यह मतदान अति-वामपंथी और अति-दक्षिणपंथी विपक्षी दलों द्वारा शुरू किया गया था, जब बार्नियर ने संसदीय अनुमोदन के बिना बजट उपायों को पारित करने के लिए विशेष शक्तियों का इस्तेमाल किया था।

राष्ट्रपति को सौंप सकते है इस्तीफा : जानकारी के अनुसार बार्नियर की सरकार छह दशकों में पहली सरकार बन गई है जिसे अविश्वास मत से हटाया गया है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। वहीं यूरोन्यूज के अनुसार, वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन और दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी ने मिलकर अविश्वास प्रस्ताव में बार्नियर को हटाने के लिए मतदान किया।

सबसे कम समय के पीएम बने बार्नियर

बता दें कि विश्वास मत पर वोटिंग में हारने के बाद वे फ्रांस के इतिहास में सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले व्यक्ति भी बन गए हैं। 73 वर्ष की उम्र में, बार्नियर ने सिर्फ 91 दिन प्रधानमंत्री के रूप में सेवा की।

वहीं, उनकी सरकार मात्र 74 दिन ही चली। बार्नियर सरकार का दो अविश्वास मतों का हुआ सामना बार्नियर की सरकार को दो अविश्वास मतों का सामना करना पड़ा था, जब उन्होंने संसद को दरकिनार कर सामाजिक सुरक्षा बजट विधेयक को पारित करने के लिए फ्रांसीसी संविधान के अनुच्छेद 49.3 का इस्तेमाल किया।

ट्रंप ने क्रिप्टो समर्थक पॉल एटकिंस को सिक्योरिटीज रेगुलेटर का प्रमुख चुना

एडम बोहलर को दी यह जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। दुनिया की महाशक्ति कहे जाने वाले देश अमेरिका में नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले ही कई संगठनात्मक बदलाव लगातार देखने को मिल रहे हैं।

अब, ट्रंप ने अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसइ) के नए चेयरमैन के तौर पर पॉल एटकिंस को नियुक्त किया है। साथ ही ट्रंप ने घोषणा की कि एडम बोहलर बंधक मामलों के लिए उनके विशेष दूत होंगे।

बता दें, फिलहाल बोहलर हेल्थकेयर निवेश फर्म रूबिकॉन फाउंडर्स के सीईओ हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी ऐसे समय में दी गई है, जब अमेरिका गाजा और दुनिया भर के अन्य हिस्सों में फंसे कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है।

वह रोजर कार्स्टेंस की जगह लेंगे। पॉल एटकिंस डिजिटल ऐसेट्स के मजबूत समर्थक हैं और इससे पहले वो जॉर्ज डब्ल्यू बुश एडमिनिस्ट्रेशन में साल 2002 से 2008 तक एसईसी कमिश्नर के तौर पर काम कर चुके हैं। वो इस समय डिजिटल ऐसेट्स और फिनटेक कंपनियों के पक्षधर हैं ।

और इसी के चलते ये साफ है कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान क्रिप्टोकरेंसी जैसे वर्चुअल करेंसी ऐसेट्स को जमकर उछाल मिलने वाला है। ट्रंप के अनुसार, एटकिंस 20 जनवरी को गैरी जेंसलर की जगह लेंगे।

फ्रांस में क्यों गिरी सरकार, पीएम के इस्तीफे के बाद, राष्ट्रपति मैक्रों की कुर्सी पर भी बढ़ा संकट

पेरिस। फ्रांस में हुए चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम में वहां सरकार गिर गई। प्रधानमंत्री माइकल बर्निये की सरकार बुधवार को संसद में पेश हुए अविश्वास प्रस्ताव में हार गई, जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो गई है। फ्रांस के 60 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब संसद के निचले सदन ने मौजूदा सरकार के खिलाफ मत दिया है।

तीन महीने ही चली बर्निये सरकार

माइकल बर्निये की सरकार के खिलाफ कट्टर वामपंथी दल ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसे मरीन ली पेन के नेतृत्व वाले धुर दक्षिणपंथी दल का भी समर्थन मिला। फ्रांस में तीन महीने पहले ही आम चुनाव हुए थे, जिनमें किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। मरीन ली पेन की पार्टी के समर्थन से गठबंधन सरकार का नेतृत्व माइकल बार्निये ने संभाला। हालांकि अब अगले साल के बजट को लेकर बात बिगड़ गई और बर्निये सरकार के खिलाफ सोमवार को अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसे मरीन ली पेन की पार्टी ने भी समर्थन दिया और बर्निये की गठबंधन सरकार गिर गई।

फ्रांस की संसद के 577 सांसदों में से 331 सांसदों ने सरकार के खिलाफ मत दिया। स्पीकर येल बरून पिवेट ने बताया कि प्रधानमंत्री बर्निये अपना इस्तीफा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को सौंपेंगे। राष्ट्रपति मैक्रों सऊदी अरब के दौरे पर थे और अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से कुछ समय पहले ही स्वदेश लौटे थे। अब बर्निये की सरकार गिरने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं और उनसे भी इस्तीफा देने की मांग की गई है। हालांकि राष्ट्रपति मैक्रों ने इससे इनकार कर दिया है।

सरकार गिरने के बाद भी राष्ट्रपति कैसे बने रहेंगे मैक्रों

फ्रांस में अर्ध-राष्ट्रपति शासन प्रणाली है, जिसमें राष्ट्रपति और संसद दोनों के पास शक्तियां हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति के पास सर्वोच्च कार्यकारी अधिकार और अहम नीति निर्धारण शक्तियां होती हैं। राष्ट्रपति ही राज्य के प्रमुख के तौर पर काम करते हैं और राष्ट्रपति को संसद द्वारा पद से नहीं हटाया जा सकता।

अप्रवासी परिवारों को मिलाने वाला विधेयक पेश

प्रति देश परिवार आधारित आव्रजन सीमा बढ़ाने की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद में एक विधेयक पेश किया गया है, जिसमें अप्रवासी परिवारों को मिलाने और प्रति देश परिवार आधारित आव्रजन सीमा बढ़ाने की मांग की गई है। यह विधेयक डेमोक्रेटिक पार्टी के दो सांसदों मेजी के हिरोनो और टैमी डकवर्थ ने पेश किया। इस विधेयक से आव्रजन प्रणाली में पारिवारिक एकता को बढ़ावा देगा, परिवार आधारित आव्रजन बैकलॉग को कम करेगा। मेजी हिरोनो ने इस विधेयक के साथ ही फिलिपिनो वेटरन फैमिली रि-यूनिफिकेशन एक्ट भी शामिल किया है। इस विधेयक से दूसरे विश्व युद्ध के फिलिपिनो बच्चों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

'यह विधेयक पारिवारिक एकता को बेहतर करेगा'

हिरोनो ने कहा, 'वर्तमान में अमेरिकी सीनेट में सेवारत एकमात्र अप्रवासी के रूप में, मुझे हमारे देश की पारिवारिक आव्रजन प्रणाली को अपडेट करने और पारिवारिक एकता को बढ़ावा देने के लिए रीयूनिटिंग फैमिलीज एक्ट पेश करने पर गर्व है। यह बिल हमारी आव्रजन प्रणाली में पारिवारिक एकता को बेहतर प्राथमिकता देगा। हमें व्यापक आव्रजन सुधार की सख्त जरूरत है, लेकिन इस बीच, रीयूनिटिंग फैमिलीज एक्ट हमारे आव्रजन प्रणाली में परिवारों को फिर से जोड़ने या एक साथ रखने में मदद करने की दिशा में एक सही कदम है।'

डकवर्थ ने कहा, 'हमारे देश की आव्रजन प्रणाली में कई खामियां हैं, इसमें बैकलॉग हैं और परिवारों को वर्षों तक अलग रखा जाता है। यह कानून परिवार-आधारित बैकलॉग को समाप्त करने में मदद करेगा।

यह कानून करीबी रिश्तेदारों को वीजा कैप से छूट देगा और वर्तमान छूट को पति-पत्नी, 21 वर्ष से कम उम्र के अविवाहित बच्चों और कुछ कानूनी स्थायी निवासियों के माता-पिता को भी शामिल करेगा।' यह प्रति देश परिवार-आधारित आव्रजन कैप को बढ़ाएगा, जिससे भारत, चीन, मैक्सिको और फिलीपींस जैसे देशों को फायदा मिलेगा।

अमेरिकी संसद में उठा भोपाल त्रासदी का मामला

राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस मनाने का प्रस्ताव पेश

वॉशिंगटन। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक त्रासदी भोपाल शहर ने सन 1984 में 2-3 दिसंबर की दरमियानी रात में झेली थी। भोपाल गैस कांड एक ऐसा औद्योगिक हादसा था, जिसकी पीड़ा लाखों लोगों ने झेली। अब इस रासायनिक त्रासदी की 40वीं बरसी के अवसर पर तीन सांसदों ने तीन दिसंबर को राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस घोषित करने के लिए संसद में एक प्रस्ताव पेश किया है।

इन तीन सांसदों ने प्रस्ताव किया पेश

सांसद जेफ मर्कले, रॉन वाइडन और पीटर वेल्च द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में भारत में 1984 के भोपाल रासायनिक हादसे में जिंदा बचे लोगों के 40 सालों की कोशिशों को तवज्जो दी गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया भर में कोई अन्य समुदाय को ऐसी आपदा का सामना न करना पड़े। इसके लिए तीन दिसंबर को राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया है।

क्या है भोपाल त्रासदी? दो-तीन दिसंबर 1984 की वो काली रात... जब मध्यप्रदेश के भोपाल में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। इस रात ने भोपाल के हजारों लोगों की जिंदगी में अंधकार भर दिया। यह दिन मानव इतिहास की सबसे दर्दनाक औद्योगिक त्रासदियों में से एक बन गया। यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के कारखाने से निकलने वाली जहरीली गैस ने पूरे शहर को मौत और तबाही की चपेट में ले लिया था। 72 घंटे के अंदर करीब आठ हजार लोग मारे गए और पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। आज इस हादसे को 40 साल पूरे हो रहे हैं। लेकिन भोपाल समेत पूरा देश आज भी इस काली रात को नहीं भूल पाया है।

प्रस्ताव में 17 अक्तूबर, 2001 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर की गई आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर संधि (ळक्अर 05-1003) के तहत दायित्वों का पालन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आवश्यक किसी भी अन्य कार्रवाई का भी आह्वान किया गया है। क्या होगा राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस घोषित करने से? यह रासायनिक आपदाओं के खतरों के बारे में जनता की समझ को मजबूत करने के लिए भोपाल रासायनिक आपदा के बचे लोगों के साथ जुड़ने का प्रयास करता है। साथ ही इस बात पर जोर देता है कि मानवाधिकारों का समर्थन करना और भेदभाव से स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करना दुनिया भर में संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति के प्रमुख स्तंभ बने रहने चाहिए।

भारत के साथ सममझौते का भी दिया हवाला

भविष्य में रासायनिक आपदाओं के खिलाफ निवारक उपाय उठाने के लिए खराब स्वास्थ्य, गरीबी और हाशिए पर पड़े लोगों के संघर्ष की सराहना करते हुए, प्रस्ताव में न्याय विभाग से भारत सरकार द्वारा डॉव इंक., जिसने यूनियन कार्बाइड की वह सुविधा खरीदी थी, जहां यह आपदा घटित हुई थी, के संबंध में किए गए अनुरोधों पर समय रहते कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

स्वर्गीय सरला देवी की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप की माता स्वर्गीय सरला कश्यप की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महर्षि कश्यप पार्क में आयोजित कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंच कर स्वर्गीय सरला देवी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री बने देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के रूप में दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को शपथ ली। मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एनडीए के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस के साथ शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा समेत कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान समेत कई केंद्रीय मंत्री भी समारोह में मौजूद थे। बॉलीवुड हस्तियों में शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और माधुरी दीक्षित भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी समारोह में शामिल हुए। महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम पर बुधवार को मुहर लगाई गई थी। इसके बाद, फडणवीस, शिंदे और पवार ने 4 दिसंबर को राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मिलकर महायुति सरकार बनाने का दावा पेश किया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की थी। उसने 288 में से 235 सीटों पर विजय हासिल की थी।

भाजपा की रिकॉर्ड जीत के साथ देवेंद्र की तीसरी पारी शुरू

23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए। इन नतीजों में महायुति ने कुल 288 विधानसभा सीटों में से 235 सीटें हासिल कीं। भाजपा ने सबसे अधिक 149 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसे 132 सीटें आईं। यह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उसके सहयोगी दल- एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 सीटें जीतीं और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटें जीतीं। इसके अलावा पांच सीटें महायुति में शामिल अन्य दलों- जन सुराज्य शक्ति (2), राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी (1) और राष्ट्रीय समाज पक्ष (1) ने जीतीं।

एनडीए के मुख्यमंत्री और नेता पहुंचे

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के मुखिया नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान पहुंचे। केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, केंद्रीय मंत्री और आरपीआई प्रमुख रामदास अठावले ने भी यहां कार्यक्रम में शिरकत की।

देवेंद्र फडणवीस की शपथ

54 साल के देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम बने हैं। वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 1999 में उनकी महाराष्ट्र विधानसभा में बतौर विधायक एंट्री हुई थी। 1999 और 2004 में फडणवीस नागपुर पश्चिम सीट से चुनाव जीते। परिसीमन के बाद जब नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट बनी तो फडणवीस ने यहां से चुनाव लड़ा और फिर विधायक बने। 2009 के बाद 2014 में भी देवेंद्र फडणवीस इसी सीट से भाजपा के उम्मीदवार बने और जीते भी। इस जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के 18वें मुख्यमंत्री बने। 2019 के महाराष्ट्र चुनाव में भी देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से अपनी किस्मत आजमाई। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के डॉ. आशीष देशमुख को 49,344 वोट से हराया। इस बार देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के प्रफुल्ल विनोद गुडाधे (पाटिल) को हराया और लगातार छठी बार विधायक बने।

संभल में जुमे की नमाज से पहले कड़ी की गई सुरक्षा-व्यवस्था

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के बाद दूसरे जुमे की नमाज को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से सुरक्षा-व्यवस्था की विशेष तैयारी की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बलों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने गुरुवार को बताया, ह्लआज हमने 30 समितियों के साथ बैठक की। इसके अलावा, हमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से भी बात की। जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से हो, इसके लिए तीन लेयर की सुरक्षा के प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया गया। इससे पहले भी तीन लेयर की सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा, ह्लहम जुमे की नमाज को लेकर पूरी तरह से सतर्क और सजग हैं। राहत की बात यह है कि सब कुछ नियंत्रण में है और शांत है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन की तरफ से ऐसी कोई संख्या निर्धारित नहीं की गई है कि कितने लोग जुमे की नमाज के लिए आ सकते हैं। लेकिन, ₹हमने अपील की है कि कम से कम संख्या में लोग नमाज के लिए आएं उन्होंने कहा, ह्लपिछली जुमे की नमाज में महज 700 से 800 लोग ही आए थे। मेरी लोगों से यही अपील है कि वो इतनी संख्या में इस बार भी नमाज के लिए आए। उन्होंने कहा, ह्लहमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से यही अपील की है कि जिस तरह से पहले नमाज पढ़ा जाता था, ठीक उसी प्रकार से इस बार भी पढ़ा जाए। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद के सर्वे का विरोध कर रहे लोगों ने सर्वे टीम और पुलिस पर हमला कर दिया था। इसके बाद स्थिति हिंसात्मक हो गई। इस हिंसा की जद में आकर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, तो कई घायल हो गए थे। शासन की तरफ से स्पष्ट निर्देश है कि इस हिंसा में संलिप्त किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। बीते दिनों सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों को चिह्नित कर उनके पोस्टर जारी किए गए थे। शासन की तरफ से यह भी कहा गया था कि इन उपद्रवियों के बारे में जानकारी देने वाले को इनाम भी दिया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के संन्यास पर केजरीवाल की प्रतिक्रिया, बताया आप का 'पितामाह'

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और आप विधायक राम निवास गोयल ने गुरुवार को चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि वह अब अपनी उम्र के कारण चुनावी राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। हालांकि वह पार्टी के कार्यों में आगे भी सहभागिता जारी रखना चाहते हैं। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि मैं राम निवास गोयल का बहुत सम्मान करता हूं। वे मेरे बहुत करीब हैं। हमारी पार्टी उन्हें 'पितामह' के रूप में देखती है। जब भी हमें जरूरत पड़ी, हमने उनका मार्गदर्शन लिया। कुछ दिन पहले मुझे उनका पत्र मिला, मैंने उन्हें अपना विचार बदलने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि अब उनकी उम्र काफी हो गई है और उनकी सेहत भी खराब हो रही है। इसलिए वे पार्टी के साथ रहेंगे और प्रचार भी करेंगे, समय-समय पर हमारा मार्गदर्शन भी करेंगे, लेकिन उन्होंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं।

'गोयल साहब आप हमारे अभिभावक थे, हैं और रहेंगे'

इसके अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने गोयल के संन्यास पर ट्वीट कर लिखा, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर श्री राम निवास गोयल जी का चुनावी राजनीति से संन्यास लेना हम सभी के लिए एक गहरा भावुक क्षण है। उन्होंने राजनीति में अपने सिद्धांतों, सादगी और निस्वार्थ सेवा से जो आदर्श स्थापित किए, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। गोयल साहब आप हमारे अभिभावक थे, हैं और रहेंगे। आपने सदन को सिर्फ नेतृत्व नहीं दिया, बल्कि उसे गरिमा, मर्यादा और एक नई पहचान दी। बढ़ती उम्र के चलते उनका यह निर्णय हमें यह भी सिखाता है कि राजनीति सेवा का माध्यम है, न कि कुर्सी से चिपके रहने का। आपका पत्र, जिसमें आपने पार्टी के विधायकों और जनता का आभार व्यक्त किया है, आपकी विनम्रता और कृतज्ञता को दर्शाता है। आपने अपने कार्यों से राजनीति को नई ऊंचाई दी और दिखाया कि सेवा भावना ही सबसे बड़ा पद है। आपका अनुभव, मार्गदर्शन और स्नेह हमेशा हमारा संबल रहेगा। दिल्ली की राजनीति और आम आदमी पार्टी के इतिहास में आपका योगदान अमिट है।

राम निवास गोयल ने पत्र में क्या लिखा

आप संयोजक केजरीवाल को संबोधित पत्र में राम निवास गोयल ने लिखा, 'मैं विनम्रतापूर्वक अवगत कराना चाहता हूं कि पिछले 10 वर्षों से शहादरा विधान सभा के विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मैंने अपना दायित्व निभाया है। आपने मुझे हमेशा बहुत सम्मान दिया है जिसके लिए में सदा आपका आभारी रहूंगा। पार्टी और सभी विधायकों ने भी मुझे बहुत सम्मान दिया है। इसके लिए मैं सबका आभार प्रकट करता हूं। अपनी आयु के कारणों से स्वयं को चुनावी राजनीति से अलग करना चाहता हूं। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी में रहकर तन-मन-धन से सेवा करता रहूंगा। आपके द्वारा जो भी दायित्व मुझे सौंपा जाएगा उसको निभाने का प्रयास करूंगा'।

गडकरी की ठेकेदारों को चेतावनी 'ठीक से काम नहीं किया तो बुलडोजर के नीचे डाल देंगे, याद रखना'

नई दिल्ली। गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर रोष जाहिर किया। इतना ही नहीं, उन्होंने सड़क परियोजनाओं में कॉन्ट्रैक्टर्स की लापरवाही से लेकर टोल केंद्रों की संख्या को लेकर भी जवाब दिया। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में अपने मंत्रालय से जुड़े कार्यों और सदस्यों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर रोष जाहिर किया। इतना ही नहीं, उन्होंने सड़क परियोजनाओं में कॉन्ट्रैक्टर्स की लापरवाही से लेकर टोल केंद्रों की संख्या को लेकर भी जवाब दिया।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर जताई चिंता

गडकरी ने लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद देश में सड़क हादसों की वजह से एक साल के अंदर 1.68 लाख लोगों की मौत हुई है। इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में 60 फीसदी युवा थे। उन्होंने सदन में कहा कि यह स्थिति दुखद है और इसे रोकने के लिए समाज को सहयोग करना होगा। गडकरी ने कहा, दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कोशिश करने के बावजूद एक साल में 1.68 लाख मौत हुई हैं। ये लोग दंगों में नहीं, सड़क हादसों में मारे गए। उन्होंने कहा कि मरने वालों में 60 फीसदी लड़के-लड़कियां थे। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब मैं महाराष्ट्र (विधान परिषद) में नेता प्रतिपक्ष था तो सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था और मेरी चार जगह हड्डी टूट गई थी। मैं इस स्थिति को समझता हूं। मंत्री ने सांसदों से अपील की कि वे भी सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बढ़चढ़कर सहयोग करें।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को लेकर हुआ था सवाल

दरअसल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की खामिया गिनाई थीं और 150 से ज्यादा लोगों की मौत की बात कही थी। नागौर से सांसद ने बताया था कि अकेले दौसा में ही 50 से ज्यादा लोगों की मौतें हुई हैं। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर लगाए गए ठेकेदारों और अफसरों पर कार्रवाई और जांच रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री से जानकारी मांगी थी।

कॉन्ट्रैक्टर्स पर क्या बोले गडकरी?

इस पर गडकरी ने कहा, यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है और वैश्विक स्तर पर सबसे कम समय में बनाया गया है। इसकी कीमत एक लाख करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि लेयर में फर्क आया है, लेकिन मैटेरियल में बदमाशी नहीं हुई है। कुछ जगह पर लेयर जरूर दब गई है, जिसका पता चला। हमने इसको सुधारने के लिए कहा था, जिसे सुधारा गया है। जहां लेयर में फर्क आया है, उसके लिए 4 ठेकेदारों को हमने जिम्मेदार ठहराया और उनको नोटिस देकर कड़ी कार्रवाई करेंगे। जो अधिकारी हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। गडकरी ने कहा, अगर ऐसे क्वालिटी से जुड़ा खराब काम कॉन्ट्रैक्टर करता है तो वो छह महीने तक कोई टेंडर नहीं भर सकेगा। ऐसी नीति हमने बनाई है और अधिकारी जो हैं, उनको भी विशेष रूप से इसमें कार्रवाई कर के नौकरी से सस्पेंड करेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में मेरे विभाग ने 50 लाख करोड़ के कार्य किए हैं। किसी भी कॉन्ट्रैक्टर को अपने कॉन्ट्रैक्ट के लिए मंत्रालय नहीं आना पड़ा। हम पारदर्शी हैं, समय सीमा को लेकर प्रतिबद्ध हैं और नतीजे चाहते हैं। मैं सार्वजनिक सभा में कह चुका हूं कि अगर कॉन्ट्रैक्टर काम नहीं करेगा तो बुलडोजर के नीचे उसको डलवा देंगे, याद रखना। इस साल देखो कॉन्ट्रैक्टर को कैसे ब्लैक लिस्ट करवाते हैं। इनको बिल्कुल ठोक पीट कर सीधा कर देंगे। हम किसी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं करते हैं।

संभल एसपी ने हिंसा को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, बोले- 'उपद्रवियों से ही होगी नुकसान की वसूली'

संभल। संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने गुरुवार को बताया कि संभल में जो घटना हुई थी वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों से ही नुकसान की वसूली की जाएगी। एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि संभल में 24 नवंबर को जो घटना हुई वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। घटना में 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। चार लोगों की मौत हुई थी। उसके अनुक्रम में अभी तक का 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 83 लोगों को प्रकाश में लाया जा चुका है। करीब 400 से ज्यादा लोगों के फोटो की पहचान की जा चुकी है। इनकी पहचान कर जल्द प्रकाश में लाया जाएगा। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जितने भी लोगों ने सार्वजनिक या प्राइवेट संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। उन लोगों के द्वारा जो नुकसान का दावा किया गया है, उसका आकलन लगभग हो चुका है। भीड़ में जिन उपद्रवियों द्वारा इस संपत्ति को तबाह किया गया था, उन्हीं लोगों से वसूलने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तानी कारतूस मिलने के सवाल पर एसपी ने कहा कि पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के 9 एमएम का खोखा मिला था। बैलिस्टिक जांच के लिए इनको फोरेंसिक टीम द्वारा भेजा जा रहा है।

फर्म को काली सूची से हटाने का झांसा देकर बिजली ठेकेदार से एक करोड़ की ठगी

प्रयागराज। विद्युत विभाग के ठेकेदार अजय यादव की भारत इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म है। यह फर्म विभाग में मैन पावर देने समेत अन्य सेवा संबंधित ठेका लेती है। साइबर पुलिस को अजय ने बताया कि सहसों निवासी मुमताज अली फर्म में पार्टनर था। विद्युत विभाग के ठेकेदार से 1.01 करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को विशेष सचिव शशांक त्रिपाठी बताकर उनकी फर्म को काली सूची से हटाने का झांसा देकर अलग-अलग बहाने से रकम ऐंठ ली। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विद्युत विभाग के ठेकेदार अजय यादव की भारत इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म है। यह फर्म विभाग में मैन पावर देने समेत अन्य सेवा संबंधित ठेका लेती है। साइबर पुलिस को अजय ने बताया कि सहसों निवासी मुमताज अली फर्म में पार्टनर था। जुलाई 2023 में मुमताज से साझेदारी भंग हो गई। इसके बाद से वह परेशान करने लगा। जीएसटी आयुक्त से फर्जी शिकायत पर बिजली विभाग ने उनका भुगतान रोक दिया और फर्म 13 जून 2024 को काली सूची में डाली अगले दिन उनके पास फोन आया। उसने खुद को मुख्य अभियंता वाराणसी जोन बताया। कहा कि एमडी साहब का निर्देश है कि सचिवालय लखनऊ से शशांक त्रिपाठी (विशेष सचिव) फोन करेंगे, जो काम कहें कर देना। नंबर मुख्य अभियंता का होने पर विश्वास हो गया। थोड़ी देर बाद नए नंबर से व्हाट्सएप पर मैसेज आया। लिखा था कि तीन लड़कों को नौकरी पर रखना है। फिर फोन आया...खुद को शशांक त्रिपाठी बताते हुए कहा कि मैसेज किया था क्या हुआ? इस पर जवाब दिया कि फर्म काली सूची में है। नियुक्ति नहीं हो सकती है।

संसद सत्र, 8वां दिन- विपक्षी सांसद काली जैकेट पहनकर पहुंचे: मोदी-अडाणी पर नारेबाजी की

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को आठवां दिन है। विपक्षी सांसद काली जैकेट पहनकर संसद पहुंचे और गली-गली में शोर है, मोदी-अडाणी चोर हैं के नारे लगाए। संसद की पिछली 7 कार्यवाहियों में संभल हिंसा, मणिपुर हिंसा, किसानों की मांग का मुद्दा और अडाणी मामला सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। विपक्षी सांसदों के साथ राहुल और प्रियंका गांधी भी शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए ये भी कहा- 'स्कूल देखो-अडाणी', 'सड़कें देखो- अडाणी', 'ऊपर देखो-अडाणी, नीचे देखो- अडाणी' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान कहा- आप (सरकार) कभी इन्वेस्टीगेशन कराओगे? आप करा सकते हो अपना ही इन्वेस्टीगेशन? मोदी जी, अडाणी जी की जांच नहीं करा सकते। क्योंकि मोदी, अडाणी की जांच कराएंगे तो अपनी ही जांच कराएंगे। मोदी और अडाणी दो नहीं, एक हैं।

सीएम योगी बोले : अयोध्या में जो बाबर ने किया... वही संभल में हुआ, बांग्लादेश में भी वही हो रहा

अयोध्या। अयोध्या में सीएम योगी आदित्यनाथ ने रामायण मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कहा कि गुंडों के संरक्षण बिना समाजवादी पार्टी वैसे ही तड़पती है, जैसे पानी के बिना मछली। रामनगरी में चार दिवसीय रामायण मेले का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। पांच से आठ दिसंबर तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में गीत-संगीत व अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहमान होगी। सीएम सुबह अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। जानकी महल ट्रस्ट में चल रहे विवाहोत्सव में भी सीएम के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की पावन पूरी में से प्रथम पूरी है। हजारों वर्षों से विश्व मानवता का मार्ग अयोध्या ने प्रशस्त किया। अयोध्या एक ऐसी भूमि जहां कोई युद्ध करने का साहस नहीं कर सकता। कहा कि पिछले वर्ष जनवरी में पीएम मोदी के हाथों 500 वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए। पीएम ने अयोध्या के नागरिकों के प्रति अपना अनुराग व्यक्त किया था। अयोध्या ने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन, श्रीराम ने हर प्रकार का संरक्षण दिया।

1982 में शुरू हुआ था रामायण मेला

कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक रूप से विश्व में आगे बढ़ रहा। रामायण सीरियल को लोग देखने के लिए एक घंटे टीवी के सामने बैठते थे। डॉक्टर लोहिया ने रामायण उत्सव कार्यक्रम देश में प्रारंभ किए थे। जिसके मन में राम और जानकी के प्रति समर्पण नहीं है, उनको त्याग देना चाहिए। सीएम ने कहा कि डॉ लोहिया राजीनीति में आदर्शवादी थे। समाजवादी पार्टी परिवारवादी है। अपराधी गुंडों के संरक्षण के बिना यह उसी तरह तड़पते हैं, जैसे पानी बिना मछली। लोहिया के नाम पर राजनीति करेंगे लेकिन उनके आदर्श नहीं मानते। रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष मिश्र ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी रामायण मेला में न सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम होंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रामायण मेले में चार दिनों तक कथा, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक गायन, नृत्य नाटिका आदि की प्रस्तुति होगी। संस्कृति विभाग के विभिन्न जिलों के 20 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही चार दिनों तक अलग-अलग कथा प्रवाचकों की ओर से रामकथा का प्रवचन भी किया जाएगा। सीएम ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था? संभल में भी यही हुआ था। बांग्लादेश में भी यही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के लिए इंतजार कर रहे हैं। कहा कि उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने का पूरा इंतजाम कर रखा है। ये बातें करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी विदेशों में संपत्ति है। अगर यहां कोई संकट आया, तो वे भाग जाएंगे। दूसरों को मरने के लिए यहीं छोड़ देंगे।

प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की परिकल्पना पर पहले चित्रकूट और बाद में अयोध्या में रामायण मेले का आयोजन शुरू किया गया था। कांग्रेस शासन में तत्कालीन सीएम श्रीपति मिश्र ने 1982 में अयोध्या के रामायण मेला का उद्घाटन किया था। इसके लिए रामायण मेला समिति को व्यवस्था और संतों के प्रवचन आदि के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। सरकारी तौर पर तभी से संस्कृति विभाग अपने फंड से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रामलीलाओं के

पटना में पांच लोगों की हुई थी हत्या, जेठुली कांड का मुख्य अभियुक्त 21 महीने बाद गिरफ्तार

पटना। पटना के जेठुली में 19 फरवरी 2023 को 43 राउंड फायरिंग हुई थी। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। पटना पुलिस ने 26 लोगों को आरोपी बनाया गया था। 21 महीने बाद पुलिस ने इस कांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पटना के चर्चित जेठुली गोलीकांड में 21 महीना से फरार चल रहे मुख्य आरोपी उमेश राय को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया गया है। वह पिछले कई महीनों से नेपाल में छिपकर रह रहा था। पटना पुलिस की ओर से गठित की गई एसआईटी ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। बताया जा रहा रहा है कि उमेश राय जैसे ही नेपाल से मोतिहारी पहुंचा, वैसे ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस टीम उसे कोर्ट में पेश करने जा रही है।

दो गुटों में गोलीबारी, पांच लोगों की मौत

थाना क्षेत्र के जेठूली गांव में बीते 19 फरवरी 2023 को पार्किंग के विवाद को लेकर दो गुटों में हुए मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई थी। इसके बाद वहां जमकर बबाल हुआ और इस बबाल में कुल पांच लोगों की मौत हुई थी जिसमें बाद इस घटना के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित ग्रामीणों ने चनारिक राय के शव को सड़क पर रखकर स्टेट हाईवे को घंटो जाम कर दिया। गुस्साए लोगों ने जमकर बवाल किया था। उनके घरों और गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया था, वही पुलिस बल पर भी जमकर पथराव किया था।

26 लोगों को नामजद किया गया था

इस घटना में एक ही गुट के पांच लोगों को गोली लग गई थी। घटना के दिन जहां गौतम कुमार और रौशन कुमार की मौत हो गई थी। वहीं उसके अगले दिन 20 फरवरी को पीएमसीएच में इलाज के दौरान मुनारिक राय की भी मौत हो गई थी। इसके बाद चेनारिक और निखिल राय ने दम तोड़ दिया था। वहीं दूसरे पक्ष से नागेंद्र राय को गोली लगी थी, जो अभी जिंदा हैं। पटना पुलिस ने इस मामले में कुल 26 लोगों को नामजद किया गया था। इसमें 15 की गिरफ्तारी हो गई थी, दो लोगों की गिरफ्तार पर कोर्ट से स्टे लगा हुआ। पुलिस ने फरार चल रहे आठ लोगों की संपति कुर्क की थी। इसमें एक अभियुक्त की मौत भी हो गई थी। वहीं मुख्य आरोपी उमेश राय नेपाल में छिप कर रहा था और वही एसआईटी की टीम भी लगी थी। जैसे ही उमेश राय मोतिहारी पहुंचा वैसे ही एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया।